भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

6 मई - 19 मई, 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - चतुर्थी , संवत 2083 पृष्ठ : 8+2 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-10, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

यह सनातन सोच की प्रचंड जीत है या नकारात्मक सोच की हार!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

नहीं कोउ अस जनमा जग माहीं।
प्रभुता पाइ जाहि मद नाहीं।।

संसार में ऐसा कोई नहीं जन्मा है जिसे प्रभुता पाकर घमंड नहीं हुआ हो। इसलिए यह लिखना पड़ रहा है कि भारी जीत से किसी को घमंड नहीं होना चाहिए। अभी हाल ही में पांच राज्यों में हुए चुनावों का परिणाम हमें यह सोचने को मजबूर कर रहा है कि भाजपा और उसके सहयोगी दल (एनडीए) की प्रचंड जीत के कारण क्या हैं। क्योंकि बंगाल, असम, पुडुचेरी में एडीए ने प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज की है। वहीं तमिलनाडु एवं केरलम् में सत्ताधारी दलों को करारी हार मिली है। असम में पहले से ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी और अब इस चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार सत्तासीन हुई है। इसी तरह पुडुचेरी में भी एनडीए की सरकार थी और इस चुनाव में भारी बहुमत से जीत हासिल की है। बंगाल जहां लंबे समय तक पहले कांग्रेस फिर कम्युनिस्ट शासन रहा और पिछले 15 सालों से तृण मूल कांग्रेस का शासन रहा। तृण मूल कांग्रेस की सुप्रीमो दीदी ममता बनर्जी मुस्लिम तुष्टिकरण के सहारे अपनी सरकार बनाती रही और तुष्टीकरण की सभी हदों का पार करते हुए दुर्गा पूजा और रामनवमी आदि हिन्दू त्योंहारों को सीमित दायरे में मनाने की हिदायतें तक दे दी। जयश्री राम के जयघोष उसे चुभने लग गए थे। आखिर नतीजा क्या निकला। इसी तरह तमिलनाडु की ओर नजर डालें तो दिखाई देगा कि डीएमके की सरकार में हिन्दुत्व और मंदिरों पर सीधा निशाना साधा गया। यहां तक कहा गया कि सनातन धर्म को नष्ट कर देना चाहिए और उसी अनुरूप नीतियां बनानी शुरू कर दी। यहां भी जनता ने ऐसी विचारधारा को पालने वाली पार्टी से सत्ता छीन ली। और एक नई पार्टी ने पहली बार में ही रिकॉर्ड जीत दर्ज कर सबसे ज्यादा सीटों पर कब्जा कर लिया। केरलम की कहानी अलग है, मगर वहां भी सत्ता पक्ष को हार का मुंह देखना पड़ा। जबकि एनडीए ने वहां भी 3 सीटों पर कब्जा कर लिया। आखिर ऐसा क्या हुआ कि भाजपा और उसके सहयोगी दलों की स्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। राजनीतिक पार्टियों को समझना होगा कि तुष्टीकरण की नीति एवं जातिगत लड़ाईयां करवाकर कब तक सत्ता हासिल हो सकती है आखिर देश की वास्तविक आत्मा को कब तक नकारा जाएगा। अब भारतीय जनता समझ चुकी है कि कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम तुष्टीकरण और जातिगत वैमनस्यता पैदा कर सत्ता हासिल करते रहे हैं और आगे भी उनके पास कोई एजेंडा नहीं है सिर्फ तुष्टीकरण और जातियों के लड़ाने के। इसलिए भाजपा का रथ बढ़ता ही जा रहा है। पिछले दिनों हुए चुनावों में भी जनता ने एनडीए को ही चुना। इसलिए अब समय आ गया है कि राजनीतिक दल अपनी सोच बदलें और भारतीय संस्कृति और आत्मा को ध्यान में रखकर अपनी चुनावी रणनीति बनाएं वरना इस समय जो दिखाई दे रहा है उसमें तो हिन्दुत्व के आगे सब धराशाही होते दिख रहे हैं। दूसरी ओर भाजपा और सहयोगी दलों को भी इस प्रचंड जीत से निरंकुश नहीं हो जाना चाहिए। उसे समभाव और समायोजी नीति पर ही चलना चाहिए। अंत में रामायण के लंका कांड की चौपाई याद आ रही है। जब मंदोदरी ने युद्ध के मैदान में पहुंच कर अपने पति विश्व विजयी रावण का शव देखा तो अनायास ही उसके मुंह से निकला कि-

राम विमुख अस हाल तुम्हारा। रहा न कोउ कुल रोवनिहारा।।

shivdayalmishra@gmail.com

लोकसभा द्वारा गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति के सदस्यों का राजस्थान प्रवास

मुख्यमंत्री की 5 राज्यों के विस अध्यक्षों से मुलाकात

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के विधानसभा अध्यक्षों से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में मुलाकात की। मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के साथ मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा की विधानसभा अध्यक्ष सूरमा पाढ़ी और सिक्किम के विधानसभा अध्यक्ष मिंगमा नोर्बू शेरपा के सम्मान में आयोजित विशेष भोज में शामिल हुए एवं विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे।

ममता बनर्जी का इस्तीफा देने से इनकार, कहा- मैं हारी नहीं हूं, हराया गया है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया। ममता बनर्जी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा कि मैं हारी नहीं हूं, हराया गया है। मैं लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं है। नैतिक तौर पर हम जीते हैं। हार के बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। लोकभवन जाने के सवाल पर ममता बनर्जी ने कहा कि मेरे इस्तीफे का सवाल नहीं है। नैतिक तौर पर हम जीतें हैं। लोकभवन जाकर इस्तीफा नहीं दूंगी। बंगाल चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कहा कि हम चुनाव नहीं हारे, 100 सीटें लूटी गई। बीजेपी ने चुनाव आयोग का इस्तेमाल किया। चुनाव आयोग मुख्य तौर पर विलेन है। उन्होंने हर ताकत का इस्तेमाल किया। ममता बनर्जी ने कहा कि SIR के बहाने लाखों नाम हटाए गए। सभी पुलिस अधिकारियों को बदला गया। सारी मशीनरी पर कब्जा कर लिया गया। मैंने बहुत इलेक्शन देखे हैं लेकिन इस बार जो बंगाल में हुआ वो नहीं देखा।

जागरूक जनता
ऑन लाइन पढ़ने के लिए स्कैन करें
ई-पेपर व अन्य खबरें देखें
jagrukjanta.net

जागरूक खबरें

समितियों की मजबूती के लिए अभिशंषाओं का प्रतिवेदन लोकसभा में जून में होगा प्रस्तुत

जयपुर @ जागरूक जनता। देश के विधान मंडलों की समिति प्रणाली की समीक्षा के लिए लोकसभा द्वारा गठित सात पीठासीन अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति की रिपोर्ट को आगामी जून में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को प्रस्तुत कर दिया जायेगा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ वासुदेव देवनानी मंगलवार को यहां समिति की दूसरी बैठक के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि आवश्यक हुआ तो रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले एक बैठक और आयोजित कर रिपोर्ट पर अंतिम चर्चा की जा सकती है। उन्होंने बताया कि सभी राज्यों की समिति की कार्य प्रणाली का अध्ययन कर लिया गया है। समितियों को सक्रिय किये जाने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री बोले...शेष 29 किलोमीटर के लिए भी जल्द निविदा प्रक्रिया शुरू की जाए

जयपुर मेट्रो फेज-2 पकड़ेगी रफ्तार, 12 किमी. कॉरिडोर निर्माण के लिए 918 करोड़ मंजूर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर मेट्रो के फेज-2 का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा है। अब तक जयपुर मेट्रो फेज-2 के लिए बैठकों का दौर चल रहा था। हाल ही में केंद्र ने जयपुर मेट्रो के सेकंड फेज को मंजूरी दी। दूसरे फेज में 41 किलोमीटर मेट्रो जोड़ने का काम होने वाला है। हालांकि भविष्य में इसे 125 किलोमीटर बनाने का है। जो साल 2055 तक का टारगेट है। जबकि 41 किलोमीटर मेट्रो को 2031 तक पूरा करने का टारगेट है। इस बीच केंद्र सरकार से 918 करोड़ की मंजूरी मिली है जिससे 12 किलोमीटर कॉरिडोर का निर्माण कराया जाएगा। सीएम भजनलाल शर्मा के निर्देश पर जयपुर मेट्रो के दूसरे चरण को लेकर प्रक्रिया में तेजी आ गई है। राजधानी में सार्वजनिक परिवहन की रीढ़ मानी जा रही इस परियोजना के तहत अब जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है।

10 एलिवेटेड स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण

जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने फेज-2 के पहले पैकेज के लिए 918.04 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों हेतु स्वीकृति पत्र जारी कर दिया है। इस पैकेज में प्रहलादपुरा से पिंजरापोल गोशाला तक करीब 12 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर का निर्माण शामिल है। इसके तहत एलिवेटेड वायाडक्ट और 10 एलिवेटेड स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण किया जाएगा। इस कॉरिडोर में प्रहलादपुरा, मानपुरा, बीलवा कलां, बीलवा, गोनेर मोड़, सीतापुरा, जेईसीसी, कुंभा मार्ग, हल्दीघाटी गेट और पिंजरापोल गोशाला स्टेशन शामिल हैं। इसके साथ ही मेट्रो डिपो तक जाने वाली स्पर लाइन का निर्माण भी इसी पैकेज का हिस्सा होगा।

29 किलोमीटर के लिए भी जल्द निविदा प्रक्रिया शुरू

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कुल 41 किलोमीटर के प्रस्तावित नेटवर्क में से शेष 29 किलोमीटर के लिए भी जल्द निविदा प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि पूरे प्रोजेक्ट को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके। गौरतलब है कि इस मेट्रो परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में 13,037.66 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली थी। इसके बाद राज्य स्तर पर उच्च स्तरीय बैठकों में इसके तेजी से क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए थे। अब स्वीकृति पत्र जारी होने के साथ ही जयपुर मेट्रो फेज-2 के धरातल पर उतरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिससे शहर के यातायात ढांचे में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

अब 6 की बजाय 3 कोच क्षमता वाले बनेंगे स्टेशन

जागरूक जनता @ जयपुर मेट्रो के सेकेंड फेज प्रोजेक्ट में लागत कम करने के लिए बड़ा बदलाव किया गया है। अब नए बनने वाले मेट्रो स्टेशन 6 कोच की बजाय 3 कोच क्षमता के अनुसार तैयार किए जाएंगे। हालांकि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए अतिरिक्त 3 कोच जोड़ने का प्रावधान भी रखा जाएगा। इसके लिए आवश्यक सिविल वर्क शुरुआती चरण में ही पूरा कर लिया जाएगा। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण कॉस्ट कटिंग है, ताकि कम बजट में सेकंड फेज का निर्माण संभव हो सके। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि पहले तैयार डीपीआर में 6 कोच के स्टेशन प्रस्तावित थे। वर्तमान में बड़ी चौपड़ से मानसरोवर तक बने स्टेशन 6 कोच के हैं, लेकिन संचालन 4 कोच का हो रहा है।

जयपुर एयरपोर्ट बना 'वॉटर पॉजिटिव'

जितना पानी उपयोग करता है उससे अधिक करता है संरक्षित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने 'वॉटर पॉजिटिव' का दर्जा हासिल किया है, जो सतत (सस्टेनेबल) संचालन की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस उपलब्धि के साथ जयपुर एयरपोर्ट भारत के चुनिंदा एयरपोर्ट्स में शामिल हो गया है, और राजस्थान का पहला एयरपोर्ट बन गया है, जिसने यह मान्यता प्राप्त की है। यह प्रमाण ग्लोबल कंसल्टिंग कंपनी ब्यूरो वेरिटास ने एयरपोर्ट की जल प्रबंधन प्रणाली के विस्तृत मूल्यांकन के बाद दिया है।

वॉटर पॉजिटिव एयरपोर्ट के रूप में, जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट अपनी प्रभावी जल प्रबंधन व्यवस्था के जरिए जितना पानी उपयोग करता है, उससे अधिक पानी का संरक्षण रीसायक्लिंग एवं पुनर्भरण के माध्यम से करता है।

18 गहरे एक्वीफर रिचार्ज पिट्स स्थापित

जल संकट वाले क्षेत्र में स्थित जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा हमेशा से ही जिम्मेदार प्रबंधन, परिचालन स्थिरता और दीर्घकालिक स्थिरता के माध्यम से जल के कुशल प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, हवाई अड्डे ने जल के विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसी दिशा में वर्षा जल संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए 18 गहरे एक्वीफर रिचार्ज पिट्स भी स्थापित किए गए हैं।

100% ट्रीटेड पानी का रीसायकल

इस उपलब्धि पर जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रवक्ता ने कहा, "यह उपलब्धि एयरपोर्ट के लगातार प्रयासों का परिणाम है, जो वॉटर पॉजिटिव बनने की दिशा में किए गए हैं। इस प्रमाणन के पीछे तीन मुख्य आधार है, 100% ट्रीटेड पानी का रीसायकल और पुनः उपयोग, ताजे पानी की खपत में कमी करना, और प्रभावी वर्षा जल संचयन व्यवस्था।"

एयरपोर्ट ने सेंसर आधारित नल लगाए

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट 100% अपशिष्ट पानी (wastewater) को रीसायकल कर उसे बागवानी और हरियाली में उपयोग करता है। पानी की खपत कम करने के लिए एयरपोर्ट ने सेंसर आधारित नल लगाए हैं, और वॉटरलेस यूरिनल जैसी तकनीकों को अपनाने पर काम कर रहा है। इसके अलावा, पानी के उपयोग की निगरानी के लिए डिजिटल वॉटर फ्लो मीटर भी लगाए गए हैं, जिससे जल प्रबंधन और अधिक प्रभावी हो सके।

देश के बड़े शहरों में पांचवें स्थान पर गुलाबीनगरी

राजधानी जयपुर में बढ़ा डिजिटल टेरर का खतरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में पिछले एक साल में 60 से ज़्यादा फर्जी बम धमकियां मिल चुकी हैं, जिनमें ज्यादातर ईमेल के ज़रिए भेजी गई। लगातार बढ़ते मामलों की वजह से जयपुर अब डिजिटल टेरर का खतरा बढ़ता दिख रही है। वहीं देश के बड़े शहरों में डिजिटल टेरर में जयपुर का स्थान पांचवां पहुंच गया है। जयपुर में सबसे ज़्यादा निशाना, कोर्ट, विधान सभा, स्कूल, अदालतें और सरकारी इमारतें बनीं।

जयपुर में साल 2026 में शुरूआत से अब तक लगभग 10 बार बम की धमकी मिल चुकी है। इसमें तीन बार विधानसभा को तो दो बार कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। लगातार मिल रही धमकियों के बाद साइबर पुलिस और राजस्थान पुलिस धमकी देने वाले शख्स की तलाश में जुटी हुई है। लेकिन अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं।

पुलिस को शक है कि इन सभी धमकियों के पीछे किसी एक ही शख्स का हाथ है, क्योंकि जो भी धमकी भरे मेल आए हैं। उन सभी में एक ही बात लिखी है। 'जितना भी मुस्लिम कर्मचारी हैं उन्हें बाहर निकाला जाए'।

कब कितनी मिली धमकियां

मई 2024 में एक ही दिन में करीब 55-56 स्कूलों को बम धमाके की चेतावनी दी गई थी। अगस्त और सितंबर 2025 में भी स्प्रिंग फील्ड स्कूल और दिल्ली पब्लिक स्कूल जैसे संस्थानों को धमकियां मिलीं। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच को पिछले महीनों में 13 से ज़्यादा बार धमकी भेजी गई। सिर्फ दिसंबर 2025 में 5 बार कोर्ट को निशाना बनाया गया।

विदेशी सर्वर के जरिए मिल रही धमकियां

सार्वजनिक और सरकारी भवनों में भी यह सिलसिला जारी रहा। राजस्थान विधानसभा को पिछले 12 दिनों में तीन बार धमकियां मिल चुकी हैं। इसके अलावा जयपुर एयरपोर्ट और सवाई मानसिंह स्टेडियम को भी 2025 में कई बार निशाना बनाया गया। अस्पताल और मॉल भी प्रभावित हुए। अगस्त 2024 में सीके बिड़ला अस्पताल, मोनिलक अस्पताल और पिंक स्क्वायर मॉल को धमकी भरे ईमेल मिले। जुलाई 2025 में मुख्यमंत्री कार्यालय और एयरपोर्ट को एक साथ बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। जांच में हर बार यह धमकियां फर्जी साबित हुईं और कहीं भी विस्फोटक नहीं मिला। साइबर सेल की पड़ताल में सामने आया कि ज़्यादातर ईमेल वीपीएन के ज़रिए विदेशी सर्वरों खासकर रूस से भेजे गए, ताकि भेजने वाले को ट्रेस करना मुश्किल हो सके। इसमें ओनियन नेटवर्किंग लेयर का इस्तेमाल किया गया।

शिवाली को मिला प्राइड ऑफ़ राजस्थान अवार्ड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ की ओर से एआईसीटीई इनोवेशन सेंटर के सभागार में नेशनल आइकन अवार्ड 2026 कार्यक्रम हुआ। इसमें मुख्य अतिथि सांसद मंजू शर्मा एवं दर्शन सिंह चौधरी ने स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए शिवाली गुप्ता को प्राइड ऑफ़ राजस्थान अवार्ड से सम्मानित किया। संघ के संस्थापक अध्यक्ष राजकुमार धाकड़ ने बताया कि समाज, शिक्षा और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित कर नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है । शिवाली गुप्ता अपनी संस्था सेंटवेव आर्गेनाइजेशन के माध्यम से पिछले कई वर्षों से लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं। और पहले भी उन्हें विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से कई अवॉर्डों से नवाजा जा चुका है।

पायलट सहित विधायकों को अयोग्य ठहराने सम्बन्धी पुनर्विचार याचिका खारिज

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान उच्च न्यायालय ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और समर्थक विधायकों को अयोग्य ठहराने संबंधी पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि यह मामला अब "सारहीन" हो चुका है और पहले दिए गए फैसले पर नए सिरे से सुनवाई नहीं की जा सकती।

5 रुपये के नोट से 48 लाख कमाने के चक्कर में महिला ने 3.66 लाख गंवाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। क्या आपके पास भी वह पुराना 5 रुपये वाला नोट है, जिसके पीछे ट्रैक्टर चलाता हुआ किसान बना है? अगर हां, तो सावधान हो जाइए! जिसे आप अपनी 'किस्मत की चाबी' समझ रहे हैं, वही आपकी जमा-पूंजी साफ करने का जरिया बन सकता है। राजस्थान के अजमेर जिले में एक महिला के साथ ऐसा ही हुआ, जहां एक फेसबुक विज्ञापन ने उसे लखपति बनाने का सपना दिखाकर लाखों का चूना लगा दिया।

फेसबुक पोस्ट ने दिखाया '48 लाख' का सपना

मामला अजमेर के पॉश इलाके शास्त्री नगर का है। यहां रहने वाली एक महिला ने फेसबुक पर एक लुभावना विज्ञापन देखा। विज्ञापन में दावा किया गया था कि अगर किसी के पास 'ट्रैक्टर वाला' पुराना 5 रुपये का नोट है, तो उसके बदले उसे 48 लाख रुपये मिल सकते हैं। महिला इस विज्ञापन के झांसे में आ गई और दिए गए नंबर पर संपर्क किया।

ठगों ने बुना बातों का जाल

महिला ने जैसे ही संपर्क किया, ठगों ने खुद को एक बड़ी पुरानी मुद्रा (Antique Currency) खरीदने वाली कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उन्होंने महिला का भरोसा जीतने के लिए फर्जी दस्तावेज और आईडी कार्ड्स तक दिखाए। महिला को यकीन दिलाया गया कि उसका 5 रुपये का नोट वाकई 'दुर्लभ' है और उसे 48 लाख रुपये दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

किश्तों में पार किए 3.66 लाख

ठगी का खेल तब शुरू हुआ जब ठगों ने 'प्रोसेसिंग फीस' के नाम पर पैसे मांगना शुरू किया। महिला से कभी GST, कभी रजिस्ट्रेशन शुल्क, तो कभी फाइल चार्ज और ट्रैवलिंग चार्ज के नाम पर किश्तों में पैसे ट्रांसफर करवाए गए। महिला को बार-बार आश्वासन दिया गया कि बस यह आखिरी चार्ज है, इसके बाद 48 लाख सीधे खाते में आ जाएंगे। लालच और उम्मीद में महिला पैसे भेजती रही। जब तक महिला को ठगी का अहसास हुआ, वह कुल 3 लाख 66 हजार रुपये ठगों के खातों में जमा कर चुकी थी।

साइबर थाना जांच में जुटा

जब महिला को न तो पैसे मिले और न ही प्रतिनिधि का फोन लगा, तब उसे ठगी का अहसास हुआ। पीड़िता ने अजमेर के साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डीवाईएसपी शमशेर खान ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जिन बैंक खातों में पैसे भेजे गए हैं, उनकी डिटेल खंगाली जा रही है।

जयपुर से जैसलमेर के लिए सीधी उड़ान शुरू!

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के पर्यटन मानचित्र पर 'स्वर्ण नगरी' के नाम से विख्यात जैसलमेर अब सैलानियों के और भी करीब आ गया है। पर्यटन क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए, अलायंस एयर ने जयपुर से जैसलमेर के लिए पहली बार सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह सेवा 3 मई 2026 से प्रभावी होने जा रही है, जो थार के रेगिस्तान की यात्रा को न केवल सुगम बनाएगी बल्कि समय की भी भारी बचत करेगी।

सप्ताह में दो दिन भरेगी उड़ान

मंत्रालय और विमानन कंपनी द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जयपुर और जैसलमेर के बीच यह हवाई संपर्क सप्ताह में दो दिन– गुरुवार और रविवार को उपलब्ध होगा। यह शेड्यूल विशेष रूप से उन पर्यटकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो 'वीकेंड गेटवे' की तलाश में रहते हैं। अब सैलानी जयपुर की गुलाबी आभा को निहारने के बाद सीधे जैसलमेर के सुनहरे किलों और रेतीले धोरों का लुत्फ उठा सकेंगे।

पर्यटन और अर्थव्यवस्था को मिलेगा बढ़ावा

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे राजस्थान पर्यटन के लिए एक नया अध्याय बताया है। अभी तक जयपुर से जैसलमेर जाने के लिए यात्रियों को लंबी ट्रेन यात्रा या सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ता था, जिसमें 10 से 12 घंटे का समय लगता था। हवाई सेवा शुरू होने से यह दूरी अब मिनटों में सिमट जाएगी।

बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन के मकान किराये पर तो कार्रवाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर में समेत राजस्थान के बड़े शहरों में किराए पर मकान देकर पैसे कमाने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन जयपुर में अब बिना पुलिस वेरिफिकेशन के किरायेदार रखे तो मकान मालिक को जेल जाना पड़ सकता है। जयपुर पुलिस ने इस मामले में सख्त हिदायत दी है। पुलिस का कहना है कि किरायेदार रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाएं। दरअसल, पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि बाहरी राज्य के अपराधी जयपुर में अपनी पहचान छिपाकर फरारी काट रहे हैं। ऐसे में जाने-अनजाने मकान मालिक अपराधियों का सहयोग कर रहे हैं। पुलिस वेरिफिकेशन का मुद्दा काफी चर्चाओं में है। जयपुर में बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन के किरायदार रखना आपको दुविधा में डाल सकता है। नियमानुसार किरायदार रखने से पहले उसका पुलिस वेरिफ़िकेशन करवाना बेहद ज़रूरी है। इसके लिए राज कॉप पुलिस सिटीज़न ऐप या संबंधित स्थानीय थाने में इसकी सूचना देना अनिवार्य है। लेकिन इसकी पालना धरातल पर नहीं हो रही। इसी का फ़ायदा अपराधी उठा रहे हैं।

मकान मालिक पर BNS 188 के तहत कार्रवाई

पुलिस ने बताया कि पुलिस वेरिफ़िकेशन के दौरान किराएदार का नाम पता घर का एड्रेस पूरा बैकग्राउंड यहां तक कि आपराधिक रिकॉर्ड के बारे में भी जानकारी मिल जाती है। लेकिन मकान मालिक द्वारा यह लापरवाही की जा रही है उधर पुलिस का कहना है कि बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन किये बिना मकान देने पर मकान मालिक पर BNS 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

पहले भी हो चुकी है घटना

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि ऐसे कई अपराधी है जो बिना वेरिफ़िकेशन के जयपुर में रह रहे हैं और उनका मक़सद जयपुर में वारदात करना है। पिछले दिनों बिंदायका थाना पुलिस ने रोहित गोदारा गैंग से जुड़े कुछ शूटर को गिरफ्तार किया था। वह बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन के रह रहे थे तो वहीं जवाहर सर्किल में प्रेगनेंट महिला से छेड़छाड़ का आरोपी राहुल भी बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन के अपनी पहचान छुपाकर किराये के मकान में रह रहा था। वहीं आतंकी खरगोश भी जयसिंह पुरा खोर इलाके में एक साल तक जयपुर में रहा वह सहजाद नाम से यहां पर रहा और पुलिस वेरिफ़िकेशन नहीं करवाया गया था। वहीं दो दिन पहले वैशाली थाना पुलिस ने आरोपी अबू-बकर को गिरफ्तार किया था जो म्यांमार का रहने वाला है, और बिना पुलिस वेरिफ़िकेशन के रह रहा था।

राजस्थान में एक साल में दोगुने हुए काटने के मामले

आवारा कुत्तों की शिकायत कैसे और कहां करें?

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में एक तरफ पारा 46 डिग्री के पार पहुंच गया है, तो दूसरी तरफ गलियों और सड़कों पर आवारा कुत्तों (Stray Dogs) का आतंक लगातार बढ़ रहा है। चिलचिलाती धूप और भयानक गर्मी के कारण जानवर भी आक्रामक हो रहे हैं। अगर आपके मोहल्ले या इलाके में भी आवारा कुत्तों की तादाद अचानक बढ़ गई है और वे बच्चों या बड़ों के लिए खतरा बन रहे हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। अब आप घर बैठे इनकी शिकायत कर सकते हैं और प्रशासन को एक्शन लेना ही होगा।

2025 में राजस्थान में डॉग बाइट के मामले लगभग दोगुने

हाल ही में सामने आए आधिकारिक RTI आंकड़ों के मुताबिक, राजस्थान में कुत्तों के काटने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। साल 2024 में राज्य भर में 460 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में बढ़कर करीब 900 तक पहुंच गए हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित राजधानी जयपुर है, जहां 2024 के 307 मामलों की तुलना में 2025 में 633 मामले सामने आए हैं। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि इसका शिकार छोटे बच्चे हो रहे हैं। अकेले जयपुर में ही 2024 में 45 बच्चों को कुत्तों ने काटा था, जबकि 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 65 हो गया।

गांव के मुकाबले शहरों में ज्यादा हिंसक हो रहे स्ट्रीट डॉग

जयपुर के अलावा खैरथल-तिजारा में 55, पाली में 46, कोटा में 45 और भीलवाड़ा में 33 मामले दर्ज किए गए हैं। कोटा और खैरथल-तिजारा जैसे जिलों में बच्चों पर होने वाले हमलों में भी तेजी देखी गई है। हालांकि, बीकानेर एक ऐसा जिला रहा जहां बच्चों को काटने के मामलों में कमी (6 से घटकर 2) आई है। आंकड़ों के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में आवारा कुत्तों के हमले काफी ज्यादा हो रहे हैं।

शिकायत कैसे और कहां करें?

अगर आपके इलाके में आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो आप राजस्थान संपर्क पोर्टल के जरिए पूरे राज्य में कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। यह सरकार का सबसे प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र है, जिसके लिए आप सीधे 181 टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा, आप राजस्थान संपर्क की आधिकारिक वेबसाइट (sampark.rajasthan.gov.in) या मोबाइल ऐप के माध्यम से भी अपनी कंप्लेंट ऑनलाइन फाइल कर सकते हैं। स्थानीय स्तर पर शिकायत करने के लिए आप सीधे अपने नगर निगम या नगर पालिका के कंट्रोल रूम में संपर्क कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, जयपुर के निवासी नगर निगम के कॉल सेंटर नंबर 0141-5110111 या 0141-2747400 पर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे के बीच कॉल कर सकते हैं, जबकि आवारा पशुओं को हटाने के लिए 0141-2322482 पर भी बात की जा सकती है। अन्य जिलों के लोग स्थानीय प्रशासन की वेबसाइट से हेल्पलाइन नंबर निकाल सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने गलता तीर्थ के विकास को लेकर ली बैठक

गलता तीर्थ का पौराणिकता और आधुनिकता के साथ हो विकास

वृद्धजनों के लिए ट्रैवलेटर सहित श्रद्धालुओं के लिए विकसित हों सुविधाएं

गलता मार्गों पर हो धार्मिक चित्रण, प्रवेश द्वार पर लगाई जाए मंदिरों की जानकारी

मुख्यमंत्री ने गलता तीर्थ परिसर के मंदिरों का किया अवलोकन

सीताराम जी मंदिर में की पूजा-अर्चना, गलता कुंड में दिया अर्घ्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गालव ऋषि की तपोस्थली गलता तीर्थ के प्रति आमजन में विशेष श्रद्धा का भाव है। ऐसे में तीर्थ के मूल स्वरूप को बनाए रखते हुए पौराणिकता एवंआधुनिकता केसंगमके साथ व्यवस्थाओं को विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकता के अनुरूप जिला प्रशासन और संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथकार्य करें।उन्होंने वृद्धजनों के लिए ट्रैवलेटर जैसी सुविधाएं मुहैया करवाने के निर्देश दिए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर अनुभव प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने जयपुर में गलता धाम परिसर में तीर्थ के विकास को लेकर अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने तीर्थ परिसर में बने मंदिरों एवं पवित्र कुंडों की दीवारों के जीर्णोद्धार के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गलता धाम आने वाले दोनों रास्तों के विकास सहित आमजन के लिए समुचित वाहन पार्किंग विकसित की जाए। साथ ही, गलता मार्गों पर धार्मिक चित्रण किया जाए, ताकि प्रवेश से लेकर तीर्थ तक आने वाले श्रद्धालुओं का मन आस्था से भर उठे। उन्होंने प्रवेश द्वार पर गलता तीर्थ में बने मंदिरों की संपूर्ण जानकारी प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, पूर्व विधायक अशोक परनामी सहित जयपुर जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

मुख्यमंत्री ने सीताराम जी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने गलता परिसर में बने विभिन्न मंदिरों का अवलोकन भी किया। इसके बाद उन्होंने गलता तीर्थ के पवित्र कुंड में अर्घ्य भी दिया। साथ ही, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सावन माह से पहले गलता जी के पवित्र कुंडों की साफ-सफाई के लिए आधुनिक मशीनों के साथ काम किया जाए। साथ ही, परिसर में वानरों के लिए विशेष स्थान निर्धारित किया जाए।

इस वर्ष भी प्रदेशभर में लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे

मुख्यमंत्री ने ली वन विभाग की बैठक :मेवाड़-वागड़ की धरा पर विकसित होंगे चंदन वन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार द्वारा बांसवाड़ा के झांतलिया, उदयपुर के बांकी एवं सिरोही के जनापुर में चंदन वन विकसित किए जाएंगे। इन प्रत्येक चंदन वन में 10 हजार से अधिक चंदन के पौधे रोपित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में इन चंदन वनों के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का चयन करने तथा इनकी सुरक्षा के लिए चयनित स्थानों पर फेंसिंग के कार्य एवं सिंचाई के लिए समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बांसवाड़ा, उदयपुर एवं सिरोही में चंदन वनों की स्थापना से राजस्थान की वन-धन संपदा और अधिक समृद्ध होगी। साथ ही, भविष्य में अन्य जिलों में भी चंदन वन विकसित करने की संभावनाएं तलाशी जाएंगी।उन्होंने अधिकारियों को चंदन वन पौधारोपण कार्य में मानसून से पूर्व गड्ढ़े खुदाई, फेंसिंग कार्य सहित अन्य सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूरी करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरानमुख्यमंत्री कार्यालय एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक में जुड़े।

किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी राज्य सरकार

शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आय में वृद्धि के लिए राज्य सरकार किसानों को फलदार पौधे उपलब्ध करवाएगी। ऐसे में वन विभाग फलदार पौधों के वितरण की भी योजना बनाए। उन्होंने पहाड़ी एवं वन क्षेत्रों में ड्रोन सीडिंग एवं अरावली क्षेत्र में सघन वृक्षारोपण के भी निर्देश दिए।

अभियान में हो अधिकाधिक जन भागीदारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार ने वर्ष 2024 में 7 करोड़ से अधिक एवं वर्ष 2025 में 11 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। इसी कड़ी में इस वर्ष के लिए निर्धारित 10 करोड़ पौधारोपणके लक्ष्य को अभियान के रूप में लें और सभी विभागों एवं जिलों के लिए पौधारोपण के लक्ष्य निर्धारित करते हुए समन्वय स्थापित करें। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को जोड़ते हुए इस अभियान को लेकर आमजन को भी जागरूक करें, ताकि इस अभियान में अधिकाधिक जन भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने ली उच्चस्तरीय बैठक

शहरी विकास की परियोजनाओं में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

अतिक्रमण के खिलाफ बरतें जीरो टॉलरेंस, चौराहे हो सिग्नल फ्री

मानसून पूर्व हो नालों की सफाई

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को शहरी परियोजनाओं में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतने एवं उन्हें समय पर पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जयपुर सहित प्रदेश के अन्य शहरों में सुगम यातायात, स्वच्छता, सौन्दर्यीकरण एवं सुव्यवस्थित शहरी विकास के लिए हर संभव कदम उठाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित बैठक में कहा कि मानसून पूर्व नालों की सफाई सहित सुव्यवस्थित जल निकासी संबंधी कार्यों को मिशन मोड पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को लेकर जन जागरूकता बढ़ाते हुए सफाई कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, सफाई मित्रों की सहभागिता तथा कचरे का नियमित उठाव एवं निस्तारण की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं। उन्होंने अधिकारियों को जयपुर में यातायात को सुगम बनाने के लिए ज्यादा से ज्यादा चौराहों को सिग्नल फ्री बनाने, गैर जरूरी रोड कट बंद करने, अतिक्रमण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने एवं सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीवरेज और ड्रेनेज की परियोजनाओं को प्राथमिकता देते हुए स्वच्छ एवं सुरक्षित शहरी सुविधाएं विकसित किया जाए।

उन्होंने कहा कि जयपुर को मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के लिए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार विकास परियोजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन सुनिश्चित हो।

खेत तालाब योजना से किसान की बढ़ी आय जल संरक्षण से सशक्त हो रही खेती, ग्रामीणों को मिल रहा सीधा लाभ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में संचालित ग्राम रथ अभियान ग्रामीणों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इस अभियान के माध्यम से जहां एक ओर आमजन को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो रही है, वहीं दूसरी ओर पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मौके पर ही उपलब्ध कराया जा रहा है। ग्राम पंचायत घिनाई के ग्राम सबलपुरा में आयोजित ग्राम रथ अभियान के दौरान किसान लालचंद पुत्र श्री नाथूराम यादव ने खेत तालाब योजना का लाभ लेकर अपनी खेती को सशक्त बनाया। उन्होंने बताया कि वे खेती पर निर्भर हैं, लेकिन पानी की कमी के कारण उनकी खेती प्रभावित हो रही थी और खेत खाली पड़े रहते थे। कृषि विभाग के संपर्क में आने के बाद उन्हें खेत तालाब निर्माण योजना की जानकारी मिली और उन्होंने इसका लाभ लिया। विभाग द्वारा उन्हें लगभग 1.35 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने खेत में तालाब का निर्माण करवाया। अब वर्षा का पानी तालाब में संग्रहित हो रहा है, जिसका उपयोग वे सिंचाई के लिए कर रहे हैं। इससे उनकी फसल उत्पादन में वृद्धि हुई है और आय में भी सुधार हुआ है। लाभार्थी ने योजना का लाभ मिलने पर राज्य सरकार के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त करते हुए अन्य किसानों से भी अपील की कि वे जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाएं और अपनी खेती को मजबूत बनाएं।

स्वयंसिद्धा आश्रम बने सम्मान और सहारे का सशक्त आधार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा समाज के कमजोर और उपेक्षित वर्गों के लिए एक संवेदनशील पहल के रूप में स्वयंसिद्धा आश्रम योजना की शुरुआत की गई है। यह योजना उन बुजुर्गों और असहाय नागरिकों के लिए आशा का केंद्र बनकर उभरी है, जो जीवन के अंतिम पड़ाव में सहारे और सम्मानजनक जीवन की तलाश में हैं।

संवेदनशील नेतृत्व और दूरदर्शी निर्णय

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस योजना को विशेष प्राथमिकता दी गई है। बजट वर्ष 2024-25 में संभाग स्तर पर 50-50 क्षमता के आश्रम स्थापित करने की घोषणा की गई थी, जिसे आगे बढ़ाते हुए बजट 2025-26 में 10 नए जिलों में विस्तार दिया गया। यह राज्य सरकार की संवेदनशील और समावेशी सोच को दर्शाता है।

राज्य भर में विस्तार और संचालन

वर्तमान में राजस्थान के 17 जिलों–अजमेर, बालोतरा, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, चुरू, डीग, डीडवाना-कुचामन, जयपुर, जोधपुर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, कोटा, फलौदी, सलूम्बर, सीकर सहित उदयपुर में स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से स्वयंसिद्धा आश्रमों का सफल संचालन किया जा रहा है। यहां बुजुर्गों को परिवार जैसा वातावरण प्रदान किया जाता है।

जीवन को मिलती गरिमा और समग्र जीवन

इस योजना का उद्देश्य केवल आश्रय देना नहीं, बल्कि बुजुर्गों को सम्मानजनक, सुरक्षित और सरि य जीवन प्रदान करना है। आश्रमों में आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र, चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवाएं, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों की समुचित व्यवस्था की गई है।

जयपुर में 'BJS परिणय पथ – Vivaah Verse' का ऐतिहासिक आयोजन सम्पन्न

युवाओं को मिला व्यक्तित्व आधारित वैवाहिक संवाद का अनूठा मंच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। भारतीय जैन संघठना, पिंक सिटी जयपुर के तत्वावधान में रविवार को होटल हॉलिडे इन, 22 गोदाम सर्कल, सरदार पटेल मार्ग में "परिणय पथ – Vivaah Verse" का भव्य एवं सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं नेतृत्व सुनील कोठारी अध्यक्ष BJS पिंक सिटी द्वारा किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य जयपुर के जैन युवाओं को जीवनसाथी चयन की प्रक्रिया में व्यवहारिक मार्गदर्शन देना एवं खुला, गरिमामय संवाद का मंच प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के प्रमुख आयाम युवाओं के लिए इंटरैक्टिव गतिविधियां एवं एक्सप्रेशनल सेशन,जीवनसाथी चयन को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण एवं अपेक्षाओं पर संवाद, अभिभावकों के लिए समर्पित मार्गदर्शन सत्र ,व्यक्तित्व, मूल्यों एवं सोच को प्राथमिकता - केवल बायोडाटा आधारित मिलान नहीं था! इस आयोजन में युवक एवं युवतियों ने सहभागिता कर इसे यादगार बनाया। पूरे कार्यक्रम का संचालन बी जे एस राष्ट्रीय मैनेजिंग डायरेक्टर कोमल जैन द्वारा अत्यंत कुशलता एवं संवेदनशीलता के साथ किया गया, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को सहज एवं सुव्यवस्थित अनुभव प्राप्त हुआ। BJS का यह प्रयास समाज में विवाह को लेकर स्वस्थ संवाद स्थापित करने तथा युवाओं को सही निर्णय हेतु सशक्त करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हुआ।

विशेष सहयोग एवं आभार

इस आयोजन की सफलता में यश बापना सचिव, शरद कांकरिया, राज्य सचिव आतिश लोढ़ा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सम्प्रति सिंघवी, राज्य मीडिया प्रभारी बसन्त जैन, पवन बज, चंद्रा जी संचेती, ज्योति बोहरा, मिताली चोरडिया, ज्योति प्रिया जैन एवं रक्षा कोठारी का उल्लेखनीय योगदान रहा। इसटीम के समर्पण एवं समन्वय से यह कार्यर म एक नई मिसाल बन सका। भारतीय जैन संघठना, पिंक सिटी जयपुर समाज हित में ऐसे सार्थक प्रयास निरंतर जारी रखेगी। समापन समारोह में शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे प्रारंभ में जय श्री ज्वेलरी के यश जैन, प्रसिद्ध ज्वेलर अरुण जैन ,सुरेश दर्डा आदि अतिथिओं ने नवकार मंत्र जपकर व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यकम का शुभारंभ किया। सभी सहभागियों ने इस कार्यक्रम को अद्भुत एवं वर्तमान समय की आवश्यकता एवं स्थितियों को देखते हुए वैज्ञानिक ढंग से सुनियोजित बताया

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Digital Marketing ★ Whatsapp Marketing ★ Bulk SMS Marketing
★ Website Development ★ Android Development ★ Software Development ★ Social Media Management

MSGJET
SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ Pamphlets ★ Bill Book ★ ID Cards ★ Banners ★ Brochure ★ Letterhead ★ Envelope ★ Signages ★ Calendars ★ Diary ★ Bags ★ Pen Stand ★ Paper Weights ★ Pen ★ Mugs ★ T-Shirts ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

सम्पादकीय

अब वादे निभाने की बारी

असम और केंद्र शासित प्रदेश पुदुच्चेरी को छोड़ दिया जाए तो ताजा विधान सभा चुनाव परिणामों का प्रमुख संदेश यही है कि मतदाता बदलाव चाहते हैं। दो साल पहले अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ विजय चंद्रशेखर (लोकप्रिय नाम विजय) द्वारा बनाई गई पार्टी तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) की कामयाबी इसका बेहतरीन उदाहरण है। टीवीके ने तमिलनाडु के दो पुराने राजनीतिक दलों सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (एआईएडीएमके) को न केवल कड़ी चुनौती दी बल्कि सबसे बड़ा दल बनकर भी उभरी। विजय ने अपनी विराट सितारा छवि और शक्ति का उपयोग एक 'परिवर्तनकारी' विकल्प के रूप में किया जिसमें नकद और सोने जैसी भारी मुफ्त सुविधाओं के ऐलान के साथ-साथ महिलाओं और युवा मतदाताओं को लक्षित करने वाली छात्रवृत्तियों के प्रस्ताव भी शामिल थे। ये सभी बड़ी संख्या में मतदान करने आए। केरलम में मतदाताओं ने अपनी पारंपरिक प्रवृत्ति की ओर लौटते हुए दो स्थापित राजनीतिक गठबंधनों की अदला-बदली जारी रखी है। कांग्रेस-नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने पिनाराई विजयन के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट की ऐतिहासिक दो कार्यकालों की जीत को बड़े अंतर से पलट दिया। सत्ताविरोधी भावना का सबसे स्पष्ट सबक पश्चिम बंगाल से निकला जहां भाजपा ने आखिरकार ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस को 15 साल के बाद सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने की अपनी हसरत पूरी कर ली। प्रदेश में दोनों चरणों में रिकॉर्ड मतदान हुआ था। मतदान और जीत का पैमाना दोनों यह स्पष्ट करते हैं कि विवादास्पद विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की चुनाव परिणामों में बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका नहीं रही। तृणमूल कांग्रेस ने इसे चुनाव अभियान के केंद्र में रखकर गलत आकलन किया। परंतु इससे ममता बनर्जी के शासन की अस्थिर होती प्रकृति को कम करके दिखाने में कोई मदद नहीं मिली। निवेश में ठहराव, पार्टी में बढ़ता भ्रष्टाचार, महिला सुरक्षा को लेकर समानुभूति का न होना और बढ़ती राजनीतिक हिंसा। इन सभी ने युवा मतदाताओं और महिलाओं को पार्टी से विमुख करने में अहम भूमिका निभाई। तृणमूल कांग्रेस की सरकार का आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं का विरोध करना भी इसमें अहम हो सकता है। ममता बनर्जी की अल्पसंख्यकों को 'सुरक्षित' वोट बैंक के रूप में तुष्ट करने की नीति भी उनके खिलाफ गई। और भाजपा एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में सामने आई। यह ममता बनर्जी के शासन रिकॉर्ड के बारे में बहुत कुछ कहता है कि भाजपा ने कई मुस्लिम-बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में उल्लेखनीय पैठ बनाई है। एक बार अंतिम परिणाम आने के बाद, शासन का वास्तविक कामकाज ही आने वाली सरकारों की क्षमता की परीक्षा लेगा। तमिलनाडु में, जहां टीवीके को सरकार बनाने के लिए संभवतः सहयोगियों की आवश्यकता होगी वहां विजय को यह आभास हो सकता है कि उच्च ऋष्ण और राजकोषीय दबाव उनकी कल्याणकारी योजनाओं की उदारता को कम कर सकते हैं। उनके वादों में महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक भत्ता, गरीब महिलाओं के लिए विवाह सहायता (सोना और रेशमी साड़ी), मुफ्त रसोई गैस, परिवहन और स्वच्छता उत्पाद, छात्रवृत्तियां, प्रारंभिक ऋण और बहुत कुछ शामिल थे। केरल में मुख्य चुनौती खाड़ी देशों में नौकरियों और वहां से धन प्रेषण में कमी के कारण उत्पन्न तात्कालिक संकट को संभालने की है जिसने लंबे समय से राज्य में आर्थिक वृद्धि और नौकरियों की कमी को छिपा रखा था।

जब एआई बने अपराध का साथी : दुरुपयोग पर कानून कहाँ है, जवाबदेही किसकी?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पंकज चतुर्वेदी
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> भारत के पास अभी भी वक्त है – सही कानून बनाने का, सही ढाँचा खड़ा करने का। सबसे ज़रूरी है स्कूल और कॉलेज स्तर पर एआई लिट्रेसी के साथ एआई एथिक्स की शिक्षा एवं सिलेबस तैयार करना। क्योंकि तकनीक का उपयोग करना सीखना जितना ज़रूरी है, उसकी सीमाएँ समझना उससे भी ज़्यादा ज़रूरी है।

कुछ खबरें पढ़कर हाथ रुक जाते हैं। फ्लोरिडा से आई एक ऐसी ही खबर है। अप्रैल 2025 में फीनिक्स इकनर नाम के एक छात्र ने फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी के कैंपस पर अंधाधुंध गोलियाँ बरसाईं। दो बेगुनाह जानें गईं, सात लोग घायल हुए। जाँच हुई तो पता चला कि इस हत्याकांड की पटकथा अकेले नहीं लिखी गई थी। आरोपी ने चैटजीपीटी – यानी उसी एआई टूल से, जिसे हम सब रोज़ इस्तेमाल करते हैं – पूछा था कि कौन सी गोली ज़्यादा घातक होती है, कैंपस पर भीड़ कब सबसे अधिक होती है और हमला करने के लिए सबसे "सटीक" जगह कौन सी होगी। और उस एआई ने, बिना किसी हिचकिचाहट के, जवाब दे दिए। फ्लोरिडा के महाधिवक्ता जेम्स उथमायर ने जो कहा, वह इस पूरे मामले की असली गंभीरता को एक वाक्य में समेट देता है-"अगर स्क्रीन के दूसरी तरफ कोई इंसान होता, तो हम उस पर हत्या का मुकदमा दर्ज करते।" अब ओपनएआई के खिलाफ आपराधिक जाँच शुरू हो चुकी है। यही जाँच यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा के एक और हत्याकांड तक बढ़ा दी गई है, जहाँ आरोपी ने हत्या की रात चैटजीपीटी से बातचीत की थी। यह कोई एक अलग-थलग घटना नहीं रही-यह एक ऐसा पैटर्न है, जो धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगा है।

ओपनएआई का पक्ष यह है कि उसके एआई ने वही जानकारी दी जो इंटरनेट पर पहले से उपलब्ध है। तकनीकी तर्क की दृष्टि से शायद यह सही भी हो। लेकिन यहाँ एक बुनियादी फर्क है जिसे समझना ज़रूरी है। एक पुस्तकालय में हथियारों पर किताब रखी होना और एक एआई का किसी हत्यारे के सवालों का जवाब उसके संदर्भ के अनुसार, उसकी भाषा में, तुरंत देना-दोनों एक जैसा नहीं है। पुस्तकालय में किताब ढूँढनी पड़ती है, जबकि चैटजीपीटी आपके दरवाज़े पर आकर जवाब देता है। और जब फ्लोरिडा का यह मामला सुर्खियों में था, ठीक उसी समय कैलिफ़ोर्निया की एक अदालत में एक और नाटकीय दृश्य चल रहा था। एलन मस्क – टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्सएआई के संस्थापक – ओपनएआई के खिलाफ मुकदमे में गवाही दे रहे थे। मस्क ने ओपनएआई को 2015 में सह-स्थापित किया था, यह सोचकर कि यह एक गैर-लाभकारी संस्था होगी जो मानवता की भलाई के लिए एआई विकसित करेगी। लेकिन जब ओपनएआई अरबों डॉलर की लाभकारी कंपनी बन गई, तो मस्क ने अदालत का दरवाज़ा खटखटाया। अदालत में उन्होंने कहा-"एआई हम सबको मार भी सकता है।" उन्होंने यह भी कहा कि "हम टर्मिनेटर जैसा परिणाम नहीं चाहते।" एलन मस्क खुद एआई के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक हैं-और जब वे खुद एआई के खतरे की बात करें, तो उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल है।

अब ज़रा अपने घर की बात करते हैं। भारत में आज चैटजीपीटी, जेमिनी और दर्जनों एआई टूल्स के करोड़ों उपयोगकर्ता हैं। स्कूल के बच्चे इनसे होमवर्क करवाते हैं, दफ्तरों में ये रोज़मर्रा का हिस्सा बन चुके हैं, छोटे शहरों और कस्बों तक इनकी पहुँच तेज़ी से बढ़ रही है। राजस्थान जैसे राज्यों में भी युवा इन टूल्स को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा मानने लगे हैं। लेकिन एक सवाल है जो कोई नहीं पूछ रहा – अगर इनका दुरुपयोग हो, तो ज़िम्मेदारी किसकी है? और जवाब देने वाला कानून कहाँ है? सच्चाई यह है कि भारत में आज की तारीख में एआई को सीधे नियंत्रित करने वाला कोई कानून नहीं है। नवंबर 2025 में सरकार ने 'इंडिया एआई गवर्नेंस गाइडलाइंस' जारी किए – लेकिन ये सलाहात्मक दिशानिर्देश हैं, बाध्यकारी कानून नहीं। दिसंबर 2025 में लोकसभा में एक निजी सदस्य विधेयक पेश हुआ जो एआई की जवाबदेही तय करने की कोशिश करता है – लेकिन वह अभी तक पारित नहीं हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 उस ज़माने में बना था जब एआई की कल्पना भी नहीं थी। नई भारतीय न्याय संहिता साइबर अपराधों को तो समाहित करती है, लेकिन एआई-सहायित अपराध के लिए कोई स्पष्ट प्रावधान उसमें भी नहीं है।

यह तुलना तब और तकलीफदेह हो जाती है जब हम देखते हैं कि बाकी दुनिया क्या कर रही है। यूरोप का ईयू एआई अधिनियम लागू हो चुका है – वह एआई सिस्टम्स को खतरे के आधार पर वर्गीकृत करता है और उच्च जोखिम वाले सिस्टम्स पर कड़ी शर्तें लगाता है। चीन ने 2023 में ही जनरेटिव एआई पर अलग कानून बना लिया। चीन एक व्यापक एआई कानून पर भी काम कर रहा है, जो 2026 या उसके बाद आने की संभावना है। यह कानून एआई के नैतिक उपयोग और विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगा।

अमेरिका में संघीय कानून न होने के बावजूद राज्य स्तर पर एआई कंपनियों के खिलाफ आपराधिक जाँच शुरू हो चुकी है। और भारत? भारत अभी भी 'वेट एंड वॉच' की स्थिति में है – दिशानिर्देश हैं, इरादा है, कानून नहीं है। कुछ लोग कहेंगे कि ज़्यादा नियमन नवाचार को मार देता है। यह चिंता समझ में आती है और इसे नकारा नहीं जाना चाहिए। लेकिन नियमन का मतलब नवाचार को रोकना नहीं है – नियमन का मतलब यह तय करना है कि जब कुछ गलत हो तो ज़िम्मेदारी किसकी होगी। हम दवा बनाने वाली कंपनियों पर नियम लगाते हैं – इसलिए नहीं कि दवा बुरी है, बल्कि इसलिए कि गलत दवा जान ले सकती है। हम बैंकों पर भारतीय रिज़र्व बैंक की निगरानी रखते हैं – इसलिए नहीं कि बैंकिंग बुरी है, बल्कि इसलिए कि लाखों लोगों की बचत उन पर निर्भर है। एआई इससे अलग क्यों हो?

(ये लेखक के अपने विचार है)

सफल सार्थक होगा आनन्द से अभिमंत्रित जीवन

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जागरूक जनता विश्वसनीय हिन्दी अखबार — आखरआखर झरे उजियार

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

ये जगत दुखालय है। दुःख से मुक्ति का उपाय तभी हो सकता है, जब हम मन के तल पर उतरें और सोच का तरीका बदल लें। जीवन को आनन्द से अभिमंत्रित करने के लिए चिन्तन के कुछ सूत्र आत्मसात किए जा सकते हैं।

पहला सूत्र आत्म प्रेम और आत्म सम्मान: दरअसल हमारी ऊर्जा का तीर अपने से हट कर अन्य की तरफ मुखातिब है। हम अपने सर्वांगीण उत्कर्ष के लिए सोचते ही नहीं है। अपने से अन्य के प्रति सोच सोच कर दुबले हुए जा रहें हैं। दिन भर में कुछ पल अपने लिए भी निकालें।हमें अपने सर्वतोमुखी विकास के लिए वर्तमान स्थिति में क्या उपाय करने चाहिए? अपने को अपडेट करते हुए क्या क्षमता विकसित करनी चाहिए, इस विषय मे सोच कर उचित पहल करनी चाहिए।

आत्म सम्मान भी ज़रूरी है। इसके बिना हम खुद को दूसरों से हीन समझेंगे और कभी आगे बढ़ नहीं पाएंगे। अपने को आत्म विश्वास से परिपूर्ण रखते हुए, किसी से भी खुद को कमज़ोर न समझते हुए अच्छी समझ का परिचय देना होगा।मैं सर्वश्रेष्ठ हूँ और नित्य अपने को बेहतर साबित कर के बताऊँगा।

दूसरा सूत्र : जुनून का पक्का होना बहुत आवश्यक है। अपनी खास दिलचस्पी का काम चुन लीजिए। फिर उसमें अपने आप को झोंक दीजिए। उस काम को शिद्दत से गुणात्मक दृष्टि से शानदार अंजाम तक ले जाना है। ध्येय निष्ठ जीवन में निश्चित ही निखार और परिष्कार देखने को मिलता है।

तीसरा सूत्र : फल की आकांक्षा से मुक्ति होनी चाहिए। हम कोई भी काम करें, यदि फल की इच्छा उस पर हावी होगी तो हमारे ध्यान को भटका देगी और हम कुशलतापूर्वक कार्य नहीं कर पाएंगे। भगवान कृष्ण ने गीता में यह उपदेश प्रमुखता से दिया है कि कर्म करना तुम्हारा अधिकार है, और फल प्रदान करना मेरा। कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेष कदाचन।

चौथा सूत्र : नकारात्मकता से दूरी बनाये रखें। अपने मन में ऐसे विचार नहीं आने दें कि मैं यह काम नहीं कर सकता अथवा इसे मैं नहीं कर पाऊँगा। हमेशा यही सोचना है कि ये काम मेरे लिए बिल्कुल मुश्किल नहीं है। मेरे लिए ये काम बहुत आसान है। कोई यदि हतोत्साहित करे तो उसकी बात को अनसुनी कर कार्य को सम्भव करने की चेष्टा जारी रखें।यदि जरूरत मेहसूस हो तो नकारात्मक व्यक्तियों की उपेक्षा करने में भी बुराई नहीं है।

पांचवा सूत्र : अतुल्य भाव बनाये रखें। किसी से कोई तुलना नहीं। इतना सा ध्यान रहे, अपने कल से हमारा आज बेहतर हो जाय। इस तरह समग्र जीवन बेहतर होता चला जाएगा।

अंतिम सूत्र: परनिंदा से मुक्ति भी नितांत आवश्यक है। सूफ़ी संत राबिया की ईश्वर में अटल निष्ठा थी। एक रोज़ किसी ने उनसे कहा अमुक व्यक्ति बड़ा नास्तिक है। आप की उसके बारे में क्या मान्यता है?

वो बोली, परवरदिगार के सिवाय कुछ भी सोचने की फुर्सत मेरे पास नहीं है। मैं अमुक इंसान के बारे में क्यों सोचूँ?बुराइयां मुझ में भी बहुत हैं, उन्हें दूर करने की बजाय दूसरों के अवगुणों के दर्शन में अपना समय क्यों जाया करूं? उस व्यक्ति को समझ में आ गया कि ईश्वर भक्ति में समर्पित राबिया को परनिंदा के लिए उकसाना बिल्कुल सम्भव नहीं है। अपने को आनन्दित बनाने के लिए परिवर्तन के लिए राजी होना होगा। प्रयास करने होंगे। आदतें बदलनी होंगी। बर्नाड शा ने कहा था कि बिना परिवर्तन के प्रगति सम्भव नहीं है। और जो अपने मन को नहीं बदल सकते, वो कुछ भी नहीं बदल सकते।

रिश्तों के ताने-बाने में पनपती विकृतियां

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. मोनिका शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

> **रिश्तों में हो रहे खूनी संघर्षों के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक भौतिकवादी सोच, स्वार्थ, संपत्ति का लालच और तात्कालिक क्रोध का होना है। समाज को इस विकट स्थिति से उबारने के लिए मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और कानूनी सभी स्तर पर एकजुटता लानी होगी, तभी सुधार संभव है।**

हाल ही में कानपुर में एक पिता ने अपनी 11 साल की दो मासूम जुड़वां बेटियों की निर्मम हत्या कर दी। कारण चाहे जो भी हो, लेकिन समाज में पनपती विकृतियां अब आपसी रिश्तों पर भी हावी होती प्रतीत हो रही हैं। यह बर्बादी की एक नई कहानी है, जो अब धीरे-धीरे सामान्य होती जा रही है। ये अपने-आप में पहली घटना नहीं है, बल्कि ऐसे सैकड़ों मामले दरकते रिश्तों की अपनी दास्तां बयान करते हैं। जिन रिश्तों और संबंधों को किसी समय प्रेम, विश्वास और सुरक्षा से बांधा जाता था, वही अब स्वार्थपरक अनैतिक आचरण में लिप्त हो कलयुग कहे जाने वाले समय की कालिख बनने का काम कर रहे हैं। यह हमें सोचने पर मजबूर कर रहे हैं कि आखिर ये समाज कहा जा रहा है और हम कहां जा रहे हैं?

कानपुर घटनाक्रम में हत्या के पीछे तनाव और नशे को जांच का आधार बनाया गया है, लेकिन देश का कोई भी कोना ऐसे मामलों से शायद ही अब अछूता हो। इससे पहले दिल्ली के नोएडा में आरुषि तलवार और गुरुग्राम में राधिका यादव की अपने ही पिता द्वारा जघन्य हत्या जैसे मामले भरोसे के इन रिश्तों की कहानी बयां करते हैं। राजस्थान के अलवर और मेरठ में प%ी के प्रेमी संग पति की हत्या, लखनऊ में बेटे द्वारा कारोबारी पिता की हत्या कर टुकड़े नीले ड्रम में रखने जैसे दिल दहला देने वाले प्रकरणों ने जनमानस को हिला कर रख दिया है।

असल में अब समाज में रिश्तों का कत्ल एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, जिनके स्वरूप अलग-अलग देखे जा सकते हैं। जहां आपसी विवाद, प्रॉपर्टी और पैसा, अनैतिक संबंध, अहंकार और भरोसे की कमी के कारण भाई-भाई, बेटे-पिता, पिता-बेटी और पति-प%ी के रिश्ते तार-तार हो रहे हैं। पिछले सालों में बढ़ने वाला नशे का प्रचलन भी इसका एक बड़ा कारण बन रहा है, जिसमें व्यक्ति अपराध करने से पहले यह नहीं समझ पाता कि सामने सगे-संबंधी हैं या कोई और। ऐसा लगता है जैसे कि रिश्तों का कत्ल करने की होड़ मची हुई है। ऐसा करने में कोई भी रिश्ता किसी भी रिश्ते से पीछे नहीं है। इस तरह की अनैतिक घटनाएं जैसे सगे-संबंधियों को मार देना या संपत्ति के लिए अपनों की हत्या सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर रही हैं। अत्यधिक स्वार्थ, लालच और अहंकार के कारण व्यक्ति अपनों के प्रति संवेदनहीन हो रहा है। रिश्तों में प्यार और भरोसे की कमी के कारण वे बोझ बन कर अंततः टूट जाते हैं। आपसी सम्मान और प्रेम में कमी आ रही है, जिससे रिश्तों की परिभाषा बदल रही है और सामाजिक सौहार्द खत्म हो रहा है। परिणाम स्वरूप परिवार तबाह हो रहे हैं और समाज शर्मसार हो रहा है। इस तरह के मामले बताते हैं कि भौतिक सुख-सुविधाओं की चाह में इंसानियत खत्म हो रही है। देश में हर रोज कहीं न कहीं हो रही इस तरह की घटनाएं बता रही हैं कि परिवार और समाज में सुरक्षा का भाव दिनों-दिन कम हो रहा है। तनाव के चलते रिश्तों में खटास होने से व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ रहा है। मानवता पर सवाल उठने लगे हैं। प्यार और स्नेह की जगह अब नफरत ले रही है, जो समाज के लिए खतरनाक है। यह आवश्यक है कि हम अपने रिश्तों में आपसी विश्वास, समझ और प्रेम को बहाल करें, ताकि समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान बना रहे।

अब जरूरी है कि परिवार में खुलकर और ईमानदारी से बात करने की संस्कृति विकसित करनी चाहिए, क्योंकि अक्सर संवाद की कमी ही हिंसा का कारण बनती है। विवादों को सुलझाने में बुजुर्गों व प्रबुद्ध लोगों की भी इसमें मदद ली जा सकती है। इसके साथ ही संयुक्त परिवार व्यवस्था को पुनर्जीवित किया जाना जरूरी है। परिवार में महिलाओं के साथ समानता का व्यवहार करना होगा। पितृसत्तात्मक सोच और पुरुष वर्चस्व को खत्म करना भी जरूरी है।

ओपिनियन : 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस'

लहू से लिखी इबारत और अमन की पुकार : क्या बंदूकों के शोर में दब जाएगी 'सत्य' की आवाज?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

मणिमाला शर्मा
पत्रकार
@jagrukjanta.net

साल 2026 की 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' की थीम "Shaping a Future at Peace" महज एक खोखला नारा नहीं, बल्कि एक हताश और लहूलुहान होती दुनिया की आखिरी उम्मीद है। एक ऐसी दुनिया जहाँ गाजा से लेकर यूक्रेन तक और सूडान से लेकर म्यांमार तक की जमीन बारूद से सनी है, वहां पत्रकार ही वह एकमात्र क्षीण लेकिन साहसी कड़ी है जो 'युद्ध के उन्माद' और 'शांति की गुहार' के बीच सीना ताने खड़ा है। लेकिन विडंबना की पराकाष्ठा देखिए कि जो पत्रकार दुनिया को शांति का रास्ता दिखाने और युद्ध की विभीषिका से आगाह करने की कोशिश कर रहा है, वही आज वैश्विक मानचित्र पर सबसे ज्यादा असुरक्षित है। शांति और मानवाधिकारों की रक्षा का दम भरने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं आज मूकदर्शक बनी हुई हैं और पत्रकारिता की 'कलम' को बंदूकों के काले साये में दम तोड़ना पड़ रहा है। आज की तारीख में यह सवाल किसी भयावह दुःस्वप्न से कम नहीं है कि क्या हम एक ऐसे बर्बर युग में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ सच बोलना 'राजद्रोह' या 'सामूहिक आत्महत्या' के समान मान लिया गया है?

पिछले दो वर्षों (2024-2026) का रक्तरंजित इतिहास गवाह है कि आधुनिक युद्धों में पत्रकारों को अब अनजाने में हुई क्षति यानी 'कोलेटरल डैमेज' नहीं माना जाता, बल्कि उन्हें जानबूझकर 'टारगेट' किया जा रहा है। जब एक पत्रकार युद्ध क्षेत्र की धधकती जमीन से रिपोर्टिंग करता है, तो वह केवल सूचनाएँ नहीं दे रहा होता, बल्कि वह उन युद्ध अपराधों (War Crimes) का एकमात्र चश्मदीद गवाह बन रहा होता है जिन्हें सत्ताएँ अंधेरे में दबा देना चाहती हैं। यही कारण है कि आज के दौर के तानाशाह और युद्ध अपराधी सबसे पहले उस 'गवाह' का गला घोंटना चाहते हैं। 'रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' और यूनेस्को (UNESCO) जैसी संस्थाओं के डरावने आंकड़े पुकार-पुकार कर कह रहे हैं कि संघर्ष क्षेत्रों में पत्रकारों की हत्याओं की दर इस कदर बढ़ गई है कि इसे अब केवल मृत्यु नहीं, बल्कि 'पत्रकारिता का नरसंहार' (Genocide of Journalism) कहा जाना चाहिए। जब एक पत्रकार मारा जाता है, तो सिर्फ एक मनुष्य का अंत नहीं होता, बल्कि उन हजारों बेजुबानों की सामूहिक आवाजों की हत्या होती है जिनके घर उजाड़ दिए गए थे और जिनका अस्तित्व मानचित्रों से मिटा दिया गया था।

मानवाधिकारों की सुरक्षा का दावा करने वाला वैश्विक ढांचा आज खंडहर में तब्दील होता दिख रहा है। मानवाधिकार शब्द सुनने में भले ही दार्शनिक और भारी लगे, लेकिन इसकी जमीनी हकीकत तब उजागर होती है जब कोई निर्भीक पत्रकार जेलों के भीतर हो रहे अमानवीय टॉर्चर, दलित, महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार या निरंकुश सत्ता द्वारा किए जा रहे दमन की दास्तान को पूरी दुनिया के सामने लाता है। प्रेस की आजादी और मानवाधिकार वस्तुतः एक ही सिक्के के दो अनिवार्य पहलू हैं। जिस समाज में प्रेस की जुबान पर ताले जड़ दिए जाते हैं, वहां मानवाधिकार महज एक किताबी शब्द या स्कूल -कालेजों में पढ़ने वाला विमर्श बनकर रह जाते हैं। 2026 में हम यह विडंबना भी देख रहे हैं कि कैसे 'शांति' स्थापित करने के पाखंड में मानवाधिकारों का गला घोंटा जा रहा है। सरकारें 'आंतरिक सुरक्षा' और 'राष्ट्रीय हित' का छद्म हवाला देकर इंटरनेट की खिड़कियाँ बंद कर देती हैं, पत्रकारों को बिना वारंट हिरासत में लेती हैं और सूचनाओं के प्रवाह पर सेंसरशिप की सख्त पाबंदी लगा देती हैं। ऐसी दमघोंटू स्थिति में स्वतंत्र पत्रकारिता ही वह रोशनदान है जिससे दुनिया को सच की थोड़ी बहुत रोशनी दिखाई देती है। यदि पत्रकार सवाल पूछना बंद कर दें, तो मानवता को कभी पता ही नहीं चलेगा कि कहाँ और किन अंधेरे कोनों में इंसानियत का कत्ल किया जा रहा है।

वर्तमान समय में युद्ध केवल भौगोलिक सीमाओं या युद्ध मैदानों में नहीं लड़े जा रहे, बल्कि वे 'नैरेटिव' (Narrative) और धारणाओं के स्तर पर भी बेहद चालाकी से लड़े जा रहे हैं। इसे विद्वानों ने 'पोस्ट-ट्रुथ' यानी सत्य-पश्चात का दौर कहा है, जहाँ ठोस तथ्यों से ज्यादा जनभावनाओं और सुनियोजित प्रोपेगेंडा को प्राथमिकता दी जाती है। सत्ता के गलियारों में बैठे लोग प्रेस का इस्तेमाल शांति के बीज बोने के लिए नहीं, बल्कि घृणा फैलाने और अपनी संगठित क्रूरता को जायज ठहराने के लिए करना चाहते हैं। इसे आधुनिक समय का 'साइकोलॉजिकल वारफेयर' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। यहाँ एक स्वतंत्र पत्रकार की भूमिका अग्निपरीक्षा के समान हो जाती है। उसे न केवल मोर्चों पर बरसती गोलियों से खुद को बचाना है, बल्कि उस 'सरकारी और प्रायोजित सच' से भी लोहा लेना है जो झूठ की फौलादी बुनियाद पर खड़ा किया गया है। शांतिपूर्ण भविष्य के लिए प्रेस का दायित्व केवल 'रिपोर्टिंग' तक सीमित नहीं है, बल्कि 'प्रोपेगेंडा' की उन अनगिनत परतों को उघाड़ना है जिन्हें सूचना क्रांति के नाम पर फैलाया गया है।

शांति के लिए आज सबसे बड़ा खतरा केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं है, बल्कि उन 'डिजिटल हथियारों' से भी है जो सरहदों के पार जाकर पत्रकार की निजता में सेंध लगाते हैं। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों की ताजा रिपोर्ट्स बताती हैं कि 2026 में पत्रकारों के खिलाफ 'स्पाइवेयर' (Spyware) का प्रयोग अपने चरम पर है। यदि एक पत्रकार किसी बड़े वित्तीय घोटाले या सत्ता समर्थित मानवाधिकार उल्लंघन की जांच कर रहा है, तो उसकी जासूसी केवल उसकी जान को जोखिम में नहीं डालती, बल्कि उन 'स्रोतों' और 'पीड़ितों' की सुरक्षा को भी तार-तार कर देती है जिन्होंने अपनी अंतिम उम्मीद के साथ उस पत्रकार पर भरोसा किया था। इसके समानांतर, 'एआई-जनित दुष्प्रचार' और 'डीपफेक' तकनीक ने पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिया है। जब तकनीक का उपयोग पत्रकारों के चरित्र हनन और फर्जी नैरेटिव गढ़ने के लिए होने लगे, तो खोजी पत्रकारिता (Investigative Journalism) का दम घुटने लगता है। शांति और सुरक्षा के नाम पर पत्रकारों की चौबीसों घंटे निगरानी करना दरअसल लोकतंत्र की आत्मा में खंजर घोंपने जैसा कृत्य है। इस पूरे परिदृश्य में एक और भयावह आयाम 'सत्ता और कॉरपोरेट का अपवित्र गठजोड़' है।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री
साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 06/05/2026

सूर्योदय : 05:48 **सूर्यास्त** : 18:58 **चन्द्रोदय** : 23:19 **चन्द्रास्त** : 08:46 **शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत:** 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : वैशाख **पूर्णिमांत** : ज्येष्ठ **सूर्य राशि** : मेष **चन्द्र राशि** : धनु **पक्ष** : कृष्ण **तिथि** : चतुर्थी, 07:51 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण **कलियुग** : 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मूल, 15:45 तक
योग : सिद्ध, 25:04 तक
प्रथम करण : बालवा, 07:51 तक
द्वितीय करण : कौवाला, 21:03 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:12 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:33 ए एम से
अभिजित मुहूर्त	कोई नहीं
विजय मुहूर्त	02:32 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:58 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:59 पी एम से
अमृत काल	08:42 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:56 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
चन्द्रवास : पूर्व
होमाहुति : मंगल, गुरु

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
रोग	: 05:48 - 07:27	काल : 18:56 - 20:18
उद्वेग वार वेला	: 07:27 - 09:05	लाभ काल रात्रि : 20:18 - 21:39
चर	: 09:05 - 10:44	उद्वेग : 21:39 - 23:01
लाभ	: 10:44 - 12:22	शुभ : 23:01 - 00:22
अमृत	: 12:22 - 14:01	अमृत : 00:22 - 01:43
काल काल वेला	: 14:01 - 15:39	चर : 01:43 - 03:05
शुभ	: 15:39 - 17:18	रोग : 03:05 - 04:26
रोग	: 17:18 - 18:56	काल : 04:26 - 05:48

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज चतुर्थी

आज कौन सा कार्य करें

चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी रिक्ता तिथियां हैं। इनमें कोई भी मांगलिक कार्य नहीं करने चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

ज्येष्ठ, कृष्ण, चतुर्थी, 2083 बुधवार, 6 मई - 12 मई, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
लम्बित मामलों के परिणाम आपके पक्ष में होने की सम्भावना है। व्यवसाय में सहयोगी आपके कार्यों से प्रसन्न रहेंगे। निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

नए कलेवर में श्याम किचन मसाले

हमारा लक्ष्य हर घर में हो श्याम किचन मसाले -अग्रवाल

प्रीति जिंटा को बनाया ब्रांड एंबेसडर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्याम किचन मसाले को पूरे देश में घर-घर तक पहुंचाने के लिए श्यामधणी इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अपने उत्पादों को में बाजार में उतारा है। इसके लिए इंडस्ट्रीज के मैनेजिंग डायरेक्टर राम अवतार अग्रवाल ने बताया कि "श्याम"ब्राण्ड की स्थापना 1995 में हुई थी और इसके बाद 2010 में श्रीमान रामावतार अग्रवाल ने श्यामधणी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का गठन किया इसके बाद श्यामधणी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के रूप में 2024 में रूपांतरित हुई और दिसम्बर 2025 में श्यामधणी इंडस्ट्रीज लिमिटेड NSE पर लिस्ट हुई एवं आईपीओ में ब्रांड सेलिब्रेटी और मार्केटिंग का बजट लिया था। इस संदर्भ में श्यामब्रांड स्पाइसेज ने बॉलीवुडऐक्ट्रेस प्रीति जिंटा को ब्रांड एम्बेसडर बनाया है तथा इसकी शूटिंग मार्च 2025 में पूरी कर ली गई। इसके बाद 2 मई 2026 को इसे लॉन्च कर रहे हैं अग्रवाल ने बताया कि इसके साथ ही कंपनी के पीओपी एवं पैकिंग लेबल पर प्रीति जिंटा की फोटो के साथ कम्पनी के प्रोडक्ट लॉन्च किए जा रहे हैं। कंपनी के प्रोडक्ट नेशनल लेवल पर लाने की हमारी योजना है द्यपिछले दिनों हमने 12 राज्यों का सर्वे किया है जिनमे अगले 6 माह में मार्केटिंग प्रारंभ हो जाएगी। इस दौरान हम आसाम सहित पूर्वोत्तर के सात राज्यों में हमारे साथी सुशील काबराजी के सहयोग से सुपर स्टॉकिस्ट एवं सेल्स टीम फाइनल कर दी है और इसी वर्ष इसके अच्छे परिणाम मिलने की आशा है।

हमने नवंबर 2024 में आईपीएम क्वालिटी के प्रोडक्ट शुरू किए थे जिसका कंपनी को जबरदस्त लाभ मिल रहा है। कंपनी के एमडी ने बताया कि हमने किसानों के साथ कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग करवाई है जिससे किसानों को उपज का सही मूल्य एवं शिक्षा मिल रही है। वहीं इससे अच्छे स्वास्थ्य के लिए लाभदायक उपज प्राप्त हो रही है जिससे आम जनता को स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। इस तरह कंपनी को आने वाले कुछ ही वर्षों में 1000 करोड रुपए का टर्नओवर अर्जित करने की आशा है। हमने हमेशा अच्छी क्वालिटी एवं सर्विस का ध्यान रखा है और आगे भी रखेंगे। कार्यक्रम में कंपनी के सेल्स डायरेक्टर विट्ठल अग्रवाल ने कंपनी की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में एक और अत्याधुनिक मशीनों का प्लांट राजस्थान में स्थापित किया है। कंपनी ने पेस्टिसाइड की समस्याओं को देखते हुए आईपीएम क्वालिटी के प्रोडक्ट लॉन्च किए हैं जिसके अच्छे परिणाम सामने अच्छे आए हैं और उपभोक्ताओं में काफी मांग होने लगी है। उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने जानी मानी फिल्म ऐक्ट्रेस प्रीति जिंटा को ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। जो टेलीविजन और अन्य मीडिया के माध्यम से जनता को अपने स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करने का काम कर रही है। इस दौरान बाबूलाल गुप्ता (अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं राजस्थान खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष) ने भी खाद्य व्यापार से संबंधित विचार साझा किए और कहा कि श्याम ब्राण्ड मसाला शुद्धता की पहचान है। इस ब्रांड में शुद्धता का पूरा ख्याल रखा जाता है। 1995 में इस ब्रांड की स्थापना की गई थी तब से लेकर आज तक "श्याम" ब्रांड शुद्धता का पर्याय है। इस अवसर पर अशोक होलानी ने कहा कि उत्पाद की ब्रांड वैल्यू बनाने के लिए कंपनी ने ब्रांड हायर किया है जिससे उत्पाद ज्यादा बिकेंगे और ज्यादा पहुंच बनेगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में बाबूलाल गुप्ता (अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं राजस्थान खाद्य व्यापार संघ अध्यक्ष) ने मशहूर ऐक्ट्रेस प्रीति जिंटा ब्रांड एम्बेसडर के चित्र वाले प्रोडक्ट पैकिंग को लाँच किया। कार्यक्रम के अंत में श्यामधणी इंडस्ट्रीज के सेल्स हेड प्रदीप पारीक ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

अब बदलेंगे राजस्थान के शहर, ग्लोबल अपग्रेड की तैयारी, डेनमार्क से आएगा नया फॉर्मूला

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान के शहरों को वैश्विक स्तर पर विकसित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 'विकसित राजस्थान' के संकल्प को साकार करने के लिए नगरीय विकास एवं आवासन विभाग लगातार प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा इन दिनों डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन के अध्ययन दौरे पर हैं। यह दौरा 1 मई से 10 मई 2026 तक निर्धारित है, जिसमें विभागीय अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल भी शामिल है।

शहरी विकास को आधुनिक, टिकाऊ और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना

इस उच्च स्तरीय दौरे का मुख्य उद्देश्य राजस्थान के शहरी विकास को आधुनिक, टिकाऊ और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है। कोपेनहेगन, जो दुनिया के सबसे सस्टेनेबल शहरों में गिना जाता है, वहां के सफल शहरी मॉडल्स का अध्ययन कर राज्य में लागू करने की योजना बनाई जा रही है। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल सतत शहरी विकास, जल संसाधन प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने के उपायों पर विशेष ध्यान दे रहा है। खासतौर पर एकीकृत शहरी जल प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता, सीवेज और सेप्टेज के वैज्ञानिक उपचार जैसे विषयों पर गहन अध्ययन किया जा रहा है।

'ब्लू-ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर' जैसे अभिनव मॉडल्स पर भी चर्चा

इसके अलावा, 'ब्लू-ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर' जैसे अभिनव मॉडल्स पर भी चर्चा हो रही है, जिसमें शहरों में जल निकासी, हरित क्षेत्र और जल संरक्षण को एक साथ जोड़कर बेहतर शहरी जीवन सुनिश्चित किया जाता है। नदी पुनर्जीवन, शहरी जल निकासी प्रणाली में सुधार और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उपायों को भी इस दौरे में प्रमुखता दी गई है। मंत्री खर्रा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जा रहे सफल मॉडलों को समझकर राजस्थान के शहरी परिदृश्य में लागू किया जाएगा। इससे न केवल शहरों का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और नागरिकों के जीवन स्तर में भी सुधार होगा। यह दौरा राज्य के शहरी विकास के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है, जिससे आने वाले समय में राजस्थान के शहर अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल बन सकेंगे।

भारत विकास परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत विकास परिषद, अंबाबाड़ी शाखा का शपथ ग्रहण समारोह एक रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रांत से पधारे खूंटेजा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष विष्णु गोयल, सचिव रमेश सायरा, कोषाध्यक्ष सुभाष गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों को विधिवत शपथ दिलाई। इस अवसर पर शाखा के फाउंडर मेंबर एवं संरक्षक प्रदीप शर्मा ने अंबाबाड़ी शाखा की स्थापना एवं विकास में प्रभात गुप्ता, महेश कुमावत, विष्णु गोयल, विक्रांत अग्रवाल, बाबूलाल छीपा, ब्रह्म दत्त आर्य सहित अनेक सदस्यों के योगदान की सराहना की। साथ ही पूर्व अध्यक्ष राजेश अग्रवाल के सफल कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में शाखा द्वारा प्राप्त नई ऊंचाइयों का उल्लेख किया गया। नवीन कार्यकारिणी के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए विष्णु गोयल एवं रमेश सायरा के नेतृत्व में शाखा के निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की कामना की गई। कार्यक्रम के सांस्कृतिक सत्र में सोमानी ने देशभक्ति गीतों की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, वहीं महिला मंडल ने भी आकर्षक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग एवं सहभागिता से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हरियालो राजस्थानः पौधारोपण की तैयारी करने के निर्देश

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के अंतर्गत स्वीकृत कार्यो को 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 व जल संचय जन भागीदारी 2.0 की समीक्षा बैठक जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 अंतर्गत लिए गए सभी कार्यों को 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियो को दिए हैं। उन्होंने जल संचय जन भागीदारी में नगरीय निकाय, जेडीए सहित सभी लाइन विभागों को निर्देशित किया कि जल संचय के समस्त कार्यों को पोर्टल पर अपलोड कराया जाना सूचित करें। जिला कलेक्टर ने हरियालो राजस्थान के अंतर्गत सभी विभागों को दिए गए पौधारोपण के लक्ष्यो को अर्जित करने हेतु पौधारोपण की सभी आवश्यक तैयारियो को पूर्ण करने के निर्देश कृषि, उद्यान, वन, नगर निगम, जेडीए सहित अन्य सम्बन्धित विभागों को दिए हैं। इस दौरान जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा उपवन संरक्षक वी केतन कुमार, जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेर सिंह लुहारिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

विधायक बालमुकुन्दाचार्य महाराज ने माताश्री की पंचम पुण्यतिथि पर किया जलसेवा कार्य

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। श्री बालाजी जनकल्याण सेवा ट्रस्ट, हाथोजधाम के तत्वावधान में हाथोज धाम महाराज श्री बालमुकुन्दाचार्य जी हवामहल विधायक की स्वर्गीय पूजनीय माताश्री सुशीला देवी जी की पंचम पुण्यतिथि के पावन अवसर पर सेवा कार्य आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाराज जी ने भीषण गर्मी को देखते हुए माताश्री की पुण्य स्मृति में कच्ची बस्तियों के जरूरतमंद परिवारों को ठंडे जल के मटके वितरित किए। ताकि इस तपती गर्मी में उन्हें शीतल जल और राहत मिल सके। इस दौरान ट्रस्ट के अनेक सेवकों ने अनेकों स्थानों पर जल सेवा की।

कीर्ति 'प्राइड ऑफ राजस्थान 2026' से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। स्वास्थ्य और फिटनेस के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली कीर्ति व्यास को राष्ट्रीय नारी सशक्तिकरण संघ द्वारा प्रतिष्ठित "प्राइड ऑफ राजस्थान 2026" अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें पिछले छह वर्षों से लोगों की जीवनशैली, खानपान और समग्र स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव लाने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में यह सम्मान कीर्ति व्यास को दिया गया, जहां विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शहर के कई गणमान्य व्यक्ति, सामाजिक कार्यकर्ता और फिटनेस इंडस्ट्री से जुड़े लोग उपस्थित रहे। कीर्ति व्यास ने अपने कार्य के माध्यम से हजारों लोगों को न केवल वजन प्रबंधन में मदद की है, बल्कि उन्हें एक स्वस्थ और संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया है। उनके मार्गदर्शन में कई लोगों ने अपने फिटनेस गोल्स हासिल किए।

साहित्य और अध्यात्म का अनूठा संगमः बुद्ध पूर्णिमा पर 'विरहः द आर्ट ऑफ लेटिंग गो' का भव्य विमोचन; पहले ही दिन बनी अमेज़न बेस्टसेलर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर साहित्य और अध्यात्म के क्षेत्र में एक नई चेतना का उदय हुआ।आध्यात्मिक साधक एवं लेखक रोहित शिवोहम की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'विरहः द आर्ट ऑफ लेटिंग गो' का दिव्य एवं गरिमामय विमोचन संपन्न हुआ। इस कृति का अनावरण उनके गुरु योगी श्री नंद किशोर द्वारा जगत पिता महादेव के पड़ासोली स्थित भव्य धाम में किया गया।

यह विमोचन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न होकर एक आध्यात्मिक उत्सव बन गया, जब पुस्तक को ब्रजभूमि के पूज्य संतों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। वृंदावन के रसिक संत श्री प्रेमानंद गोविंद शरण जी महाराज एवं सद्गुरु श्री ऋतेश्वर जी महाराज के पावन सान्निध्य में भी इसका अनावरण हुआ।

इसी क्रम में बरसाना स्थित श्री लाड़ली जी मंदिर में पुस्तक को श्रीजी विग्रह के चरणों में अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। साथ ही श्री गोपेश्वर महादेव, श्री बाँके बिहारी जी मंदिर, श्री राधा वल्लभ जी मंदिर एवं श्री राधा रमण जी मंदिर में भी इसे ससम्मान अर्पित किया गया।

देवी यशोधरा के त्याग से प्रेरित एक आत्मिक यात्रा

'विरह' की कथावस्तु भगवान बुद्ध की धर्मपत्नी देवी यशोधरा के मौन त्याग, धैर्य और आंतरिक शक्ति से प्रेरित है। यह पुस्तक पाठकों को यह समझाती है कि विरह केवल बिछोह की पीड़ा नहीं, बल्कि आत्मिक रूपांतरण और जागृति का एक द्वार है।

लॉन्च के साथ ही रचा इतिहास

लेखक की पूर्ववर्ती बेस्टसेलर कृति 'तत्सुखे सुखित्वम्' की लोकप्रियता का प्रभाव इस पुस्तक पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। पाठकों की उत्सुकता और प्रेम के चलते, लॉन्च के पहले ही दिन 'विरह' अमेज़न पर 'बेस्टसेलर' के रूप में ट्रेंड करने लगी। यह उपलब्धि पुस्तक की गहन विषय-वस्तु और लेखक के प्रति पाठकों के अटूट विश्वास को दर्शाती है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक 'संजीवनी'

विमोचन अवसर पर लेखक रोहित शिवोहम ने आधुनिक जीवन की चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा-"आज अनेक लोग अपार भौतिक सफलता के बावजूद भीतर से खालीपन और अशांति का अनुभव कर रहे हैं। अनकही स्मृतियों का बोझ और छोड़ न पाने की प्रवृत्ति उनके मानसिक तनाव का मुख्य कारण बन चुकी है। भारत में करोड़ों लोग इस पीड़ा से गुजर रहे हैं, मानसिक स्वास्थ्य की पीड़ाओ के चलते लाखों लोग हृदयाघात तो अनेकों बड़ी बीमारियों के शिकार हो जाते है तो कई लोग जीवन की आश खो बैठते हैं और ग़लत दिशाओं में बढ़ जाते है। 'विरह' उन सभी के लिए एक आध्यात्मिक संजीवनी है, जो रिक्तता से पूर्णता की ओर यात्रा करना चाहते हैं।"

विरहः पीड़ा नहीं, बोध का मार्ग

लेखक के अनुसार, 'विरहः द आर्ट ऑफ लेटिंग गो' केवल एक साहित्यिक कृति नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक मार्गदर्शिका है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है जो भावनात्मक द्वंद्व, बिछोह या आंतरिक संघर्ष से गुजर रहे हैं। पुस्तक का मूल संदेश स्पष्ट है कि विरह केवल पीड़ा नहीं, बल्कि आत्म-खोज, वैराग्य और अंततः बोध का मार्ग है। जीवन में जो छूट रहा है, उसे सहजता से स्वीकार कर विदा करना ही शाश्वत की प्राप्ति का मार्ग है। कल्याण की भावना से रचित यह 'शब्द-पुष्प' अब अमेज़न एवं अन्य प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर विश्वभर के पाठकों के लिए उपलब्ध है।

पर्यटन क्षेत्र में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन का असर : अब आधुनिक तरीके से 'पधारो म्हारे देस' कह रहा राजस्थान

डिजिटल नवाचारों में मॉडल प्रदेश बनकर उभर रहा राजस्थान

ओ.बी.एम.एस वेबसाइट और ऐप से एक क्लिक पर पूरी जानकारी

पर्यटन स्थलों की ऑनलाइन टिकट बुकिंग और स्मार्ट सर्च

90 लाख बुकिंग्स, 3 करोड़ से अधिक हुआ पर्यटकों का आंकड़ा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अपनी ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक वैभव और भौगोलिक विविधता के लिए मशहूर राजस्थान अब डिजिटल प्रगति में भी मॉडल प्रदेश बनकर उभर रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल, दूरदर्शी एवं प्रगतिशील नेतृत्व में राजस्थान सरकार ई-गवर्नेंस के साथ डिजिटल नवाचारों को भी बढ़ावा दे रही है। यही कारण है कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा विकसित किया गया ऑनलाइन बुकिंग मैनेजमेंट सिस्टम (ओ.बी.एम.एस.) देश का पहला और एकमात्र सरकारी मल्टी-साइट ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है। भारत आने वाले विदेशी पर्यटक और देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले लोग अपनी छुट्टियां राजस्थान में बिताने को प्राथमिकता देते हैं। इसी महत्ता को देखते हुए एकीकृत डिजिटल पोर्टल obms-tourist.rajasthan.gov.in तथा ओ.बी.एम.एस मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किए गए। जिनके माध्यम से प्रदेश के पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थलों, स्मारकों, संग्रहालयों, वन्यजीव अभयारण्यों, बायोलॉजिकल पार्कों, उद्यानों, सफारी, बोटिंग, कैफेटेरिया, होटल्स आदि की ऑनलाइन टिकट बुकिंग की जा रही है।

100 से ज्यादा पर्यटन स्थल जुड़े, बढ़ाया जा रहा दायरा-

एक क्लिक पर पूरे राजस्थान की जानकारी और टिकटिंग उपलब्ध करवाने के लिए अब तक 100 से अधिक पर्यटन स्थलों को पोर्टल से जोड़ा जा चुका है। जिनमें पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के आमेर किला, जंतर-मंतर, हवा महल, राजकीय संग्रहालय अल्बर्ट हॉल इत्यादि (47 स्थल), वन विभाग के सरिस्का टाइगर सफारी, झालाना लेपर्ड सफारी, नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क इत्यादि (21 स्थल), राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चित्तौड़गढ़ एवं कुम्भलगढ़ किला लाइट एंड साउंड शो, दुर्ग कैफेटेरिया पड़ाव नाहरगढ़, होटल लेक पैलेस सिलीसेढ़ (4 स्थल), जयपुर विकास प्राधिकरण के किशन बाग, मसाला चौक, सावन भादो बाग (3 स्थल), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के चित्तौड़गढ़ किला, कुम्भलगढ़ किला, भानगढ़ किला, डीग भवन इत्यादि (7 स्थल), जवाहर कला केन्द्र (15 स्थल) तथा जयपुर मेट्रो आर्ट गैलरी भी शामिल हैं। राज्य सरकार की इस अभिनव पहल से पर्यटन सेवाओं में पारदर्शिता आने के साथ ही मैनुअल कार्यों में भारी कमी हुई है और संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव हुआ है। इसी क्रम में राज्य सरकार ओ.बी.एम.एस. को और अधिक विस्तार देने जा रही है। अब जल्द ही आरटीडीसी के होटलों की ऑनलाइन बुकिंग और जवाहर कला केन्द्र के कार्यक्रमों की टिकट बुकिंग भी इस प्लेटफॉर्म पर शुरू की जाएगी।

1 दिन में 1 लाख तक बुकिंग, सफलता को मिला सम्मान

ओ.बी.एम.एस. को देशी-विदेशी पर्यटकों का भी भरपूर रेस्पॉन्स प्राप्त हो रहा है। यही कारण है कि एक दिन में सर्वाधिक लगभग 1 लाख पर्यटकों की टिकट बुकिंग का रिकॉर्ड 28 दिसंबर 2025 को दर्ज किया गया। अब तक के आंकड़ों की बात करें, तो लगभग 90 लाख बुकिंग्स के जरिए 3 करोड़ से अधिक पर्यटकों को सेवा प्रदान की जा चुकी है। इनमें 70 से अधिक देशों के विदेशी पर्यटक शामिल हैं। वहीं, पोर्टल के माध्यम से विभिन्न विभागों को 30 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हुआ है। इसी सफलता को देखते हुए ओ.बी.एम.एस को वर्ष 2025 में स्कॉच अवॉर्ड में सिल्वर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

साथ ही, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के लगभग 150 से अधिक राजस्थान से बाहर के पर्यटन स्थलों को भी ओ.बी.एम.एस. पर ऑनबोर्ड किया जा चुका है तथा बुकिंग करने की सुविधा प्रक्रियाधीन है।

पर्यटकों के लिए वन स्टॉप सेंटर-

क्यूआर-आधारित ई-टिकट बुकिंग एवं वैलिडेशन प्रणाली पूरी तरह कैशलेस एवं पेपरलेस टिकटिंग की सुविधा देती है। इस पर 'राजस्थान पैकेज' एवं 'जयपुर पैकेज' सहित कम्पोजिट एवं सिटी-आधारित पैकेज भी उपलब्ध हैं। वहीं, पर्यटन स्थलों पर क्यूआर-आधारित ऑडियो गाइड, डिजिटल बोर्डिंग पास, एडवांस चेक-इन, ऑनलाइन फंड ट्रांसफर के साथ ही कैंसलेशन एवं आसान रिफंड जैसे फीचर उपयोगकर्ता के अनुभव को काफी बेहतर करते हैं। इसके अलावा स्मार्ट सर्च, इंटरएक्टिव मैप, एनालिटिक्स एवं रियल-टाइम डैशबोर्ड जैसे फीचर्स से पर्यटकों को एक क्लिक पर सारी जानकारी मिल जाती है। फीडबैक सिस्टम का भी ध्यान रखते हुए ऑनलाइन शिकायत एवं निवारण और आपातकालीन सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

OBMS APP एवं पोर्टल राजस्थान सरकार की एक परिवर्तनकारी डिजिटल पहल साबित हो रहा है, जिससे पर्यटकों को विश्वस्तरीय सुविधाएं तो मिल ही रही हैं, वहीं रोजगार सृजन के साथ राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिल रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों से राजस्थान सुशासन और डिजिटल नवाचार के क्षेत्र में देश में अग्रणी बनता जा रहा है।

सीएस ने कम्पलायन्स रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन के दूसरे चरण की प्रगति की समीक्षा बैठक ली

अनावश्यक नियमों, लाइसेंस निर्माण की जटिल प्रक्रियाओं को सरल करते हुए आमजन और उद्योगों के लिए सेवाओं को अधिक सुगम बनाया जाए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अन्तर्गत कम्पलायन्स रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन के सफल प्रथम चरण के बाद अब दूसरा फेज संचालित किया जा रहा है। उद्योग, व्यवसाय, वाणिज्य कम से कम समय में कम से कम प्रक्रिया के साथ शुरू करने के लिए प्रशासनिक और व्यवसायिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से संचालित इस दूसरे चरण की प्रगति की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों में आ रही कुछ प्रशासनिक समस्याओं एवं प्रक्रियागत बाधाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनावश्यक नियमों, लाइसेंस निर्माण की जटिल प्रक्रियाओं को कम चरण व कम समय वाली करते हुए आमजन और उद्योगों के लिए सेवाओं को अधिक सुगम बनाया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाना है। इसके लिए विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुधारात्मक कदम उठाने होंगे। उन्होंने विभागवार लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण तथा प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर विशेष जोर दिया। बैठक में उद्योग और एमएसएमई के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दिनेश कुमार, स्कूल शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिवाकर धाम परिसर अतिक्रमण नही धार्मिक आस्था का प्रतीक!

2008 में दोषी परिवार ने दिया था उपहार साध्वी चरण प्रज्ञा की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा/चित्तौड़गढ़। अखिल भारतीय श्री जैन दिवाकर संगठन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा आई एम सेठिया ने माधव नगर भीलवाड़ा स्थित दिवाकर धाम परिसर का समाजसेवी राजेंद्र कुमार सामर, प्रकाश चंद्र बाबेल, सुरेन्द्र मेहता, शांति लाल बाबेल सहित समाजजनो के साथ अवलोकन कर संथारा साधिका पूज्य साध्वी चरण प्रज्ञा जी की समाधि स्थल और परिसर में स्थित शिव मंदिर के दर्शन कर भीलवाड़ा नगर विकास न्यास द्वारा परिसर को सीज करने की कार्यवाही को गलत बताते हुए इसे अतिक्रमण नही बल्कि विशुद्ध धार्मिक आस्था का प्रतीक और साधु संतों के विहार के दौरान उनके विश्राम के लिए विहार धाम के रूप में उपयोग के लिए प्रमुख स्थल होना बताया

डा सेठिया के अनुसार यह दिवाकर भवन कोई सरकारी भूमि पर नयायज अतिक्रमण कर के नही बनाया गया बल्कि पूज्य संथारा साधिका साध्वी श्री चरणप्रज्ञा के 87 दिन का संथारा पूर्ण होने पर उनकी स्मृति को चिर स्थाई बनाने के लिए उदयपुर के अशोक दोषी परिवार द्वारा आराजी संख्या 508 व 509 से संबंधित 24490 वर्ग फीट भूमि दान पत्र दिनांक 29 सितंबर,2008 के करिए समाज को धार्मिक और जनऊपयोगी हितार्थ सार्वजनिक घोषणा कर उपलब्ध कराई गई तथा दान पत्र के अनुसार दान के वक्त उक्त भूमि पर एक मंदिर,5 कमरे, 1 रसोई, 2लैटिन 1 स्नानघर, 2 बरामदे एक हाल का उल्लेख किया गया है जिसका उल्लेख रेवेन्यू रिकॉर्ड जमाबंदी में भी किया गया हे व इसको 22 अक्टूबर 2008 को सहकारी विभाग भीलवाड़ा द्वारा पंजीकृत संस्था को सुपुर्द किया जाकर समिति द्वारा अवश्य रखरखाव मरम्मत आदि कराया जाकर जिस उद्देश्य से दान किया गया उस प्रयोजनार्थ संस्था ने दायित्व निर्वहन किया।

नगर विकास न्यास को भूमि व उस पर निर्मित भवन की जानकारी न्यास के रिकॉर्ड पर होने के बावजूद मात्र एक शिकायतकर्ता के दबाव में अतिक्रमण मान कर बिना नोटिस और पूर्व सूचना के भवन सीज करने की अवेधानिक कार्यवाही की गई जिसके खिलाफ न्यायिक व प्रशासनिक कार्यवाही के जरिए उचित कार्यवाही की का रही हे।

डा सेठिया के अनुसार अवेधानिक कार्यवाही सहित पूरे प्रकरण की जानकारी स्थानीय सभी राजनेतिक व प्रशासनिक नेतृत्व के साथ ही राज्य के उच्च स्तरीय राजनेतिक नेतृत्व और प्रशासनिक तंत्र को भी अवगत करा दिया गया हे और यह भी अवगत कराया गया की 2010 से समिति के नाम विद्युत कनेक्शन वाले इस परिसर का पट्टा जारी कर नियमन करने हेतु नगर विकास न्यास में आवश्यक आवेदन भी प्रस्तुत किया गया था लेकिन न्यास ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की और न ही नियमन प्रस्ताव को राज्य सरकार को आवश्यक दिशानिर्देश के लिए प्रेषित किया गया जो सरासर गलत प्रतीत होता हे।

संस्था द्वारा परिसर का कोई व्यक्तिगत उपयोग नही किया गया तथा संस्था के आय व्यय का अंकेक्षण भीं नियमित कराया गया है। संगठन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा सेठिया ने कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत जानकारी देकर प्रशासन और आम जन को भ्रमित करने के प्रयासों कि निंदा करते हुए सामाजिक संस्थाओं के भूमि भवन के लिए इस प्रकार अनावश्यक शिकायत किया जाना यदि परंपरा बन गई तो यह सभी समाज के गलत परम्परा के साथ सरदर्द बन जायेगी। डा सेठिया के अनुसार विगत 18 वर्षो में पूज्य आचार्य शिव मुनि,महाश्रमण जी, राष्ट संत तरुण सागर जी, पुलक सागर जी,साध्वी कनक प्रभा जी,युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी,उपाध्याय मूल मुनि सहित सैकड़ों साधु संतो का पदार्पण हो चुका हे तथा सर्व समाज के लोगो ने व्याख्यान सुन कर धर्मलाभ लिया और यह परिसर में स्थित शिव मंदिर की भी सम्पूर्ण देखरेख समिति द्वारा ही की जाती रही है।

डा सेठिया सहित संस्था अध्यक्ष सुरेन्द्र सुराणा, महामंत्री शांति लाल बाबेल, राजेंद्र कुमार सामर ने आमजन से भ्रमित नही होने की अपील करते हुए इस पवित्र परिसर को अतिक्रमण के बजाय धार्मिक आस्था का केंद्र के नाते उचित सम्मान प्रदान करे।

भीषण गर्मी में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र ने शुरू किया परिंडा अभियान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

गुड़ामालानी। बढ़ते तापमान और भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुए मूक पक्षियों को राहत देने के लिए गुड़ामालानी में विशेष 'परिंडा अभियान' की शुरुआत की गई। कृषि विज्ञान केंद्र, गुड़ामालानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप पगारिया और बाजरा अनुसंधान केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विकास कुमार खंडेलवाल के सानिध्य में विभिन्न स्थानों पर पक्षियों के लिए पानी के परिंडे बांधे गए। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप पगारिया, डॉ. विकास कुमार खंडेलवाल, डॉ. गीतेश मिश्रा,डॉ बाबु लाल, श्री गंगाराम माली, हनुता राम और संपत कुमार ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उपस्थित विशेषज्ञों ने बताया कि यह पहल न केवल पक्षियों की जान बचाएगी, बल्कि पारिस्थितिक तंत्र को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करेगी।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें
अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

ग्राम रथ अभियान पहुँचा कीटनोद

विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने योजनाओं से किया जागरूक, सीएचसी का किया शिलान्यास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से संचालित ग्राम रथ अभियान के तहत पचपदरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कीटनोद में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पचपदरा विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने भाग लेकर ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान विधायक डॉ. चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन, किसानों, श्रमिकों, महिलाओं और युवाओं के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब प्रत्येक पात्र व्यक्ति जागरूक होकर इनसे जुड़े। उन्होंने ग्राम रथ अभियान को जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि यह पहल गांव-गांव तक जानकारी पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने भी योजनाओं की जानकारी साझा की तथा ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर समाधान का भरोसा दिलाया। ग्राम रथ के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओं से संबंधित प्रचार सामग्री, ऑडियो-वीडियो संदेश और कला जत्थों के जरिए भी जागरूकता फैलायी गई, जिसे ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक देखा और सराहा। इस अवसर पर विधायक डॉ. अरुण चौधरी ने ग्राम कीटनोद में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास भी किया। उन्होंने कहा कि सीएचसी बनने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी और उन्हें इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, चिकित्सा विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने क्षेत्र में विकास कार्यों और योजनाओं के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए विधायक का आभार जताया।

डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी 2025 पर वर्चुअल नॉलेज सेशन

निवेश करने के इच्छुक देश-विदेश के प्रतिभागियों को दी गई जमीन आवंटन प्रक्रिया की जानकारी

देश-विदेश के 100 से अधिक निवेशक एवं प्रतिभागी हुए शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा रीको के सहयोग से वर्चुअल नॉलेज सीरीज के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया। इसमें राजस्थान फाउंडेशन के सभी 26 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय चैप्टर्स के अध्यक्ष एवं सदस्य, बड़ी संख्या में देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानी और निवेशक जुड़े। इस सेशन में रीको की डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी के बारे में आवेदन से लेकर अलॉटमेंट तक की विस्तृत जानकारी दी गई। उद्योग तथा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी कार्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं रीको के चेयरमैन शिखर अग्रवाल ने बताया कि राजस्थान में निवेश करने एवं उद्यमियों के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया को रीको द्वारा पूर्णतया ऑनलाइन, पारदर्शी और आसान कर दिया गया है। रीको के पोर्टल पर निवेशकों द्वारा राज्य में उनके इच्छित स्थानों पर विभिन्न साइज़ के प्लॉट, जो डायरेक्ट अलॉटमेंट अथवा ऑक्शन के लिए उपलब्ध हैं, के लिए आवेदन किया जा सकता है। निवेशकों की सुविधा के लिए पोर्टल पर प्रत्येक प्लॉट का साईट प्लान और गूगल लोकेशन भी उपलब्ध है।

इस वर्चुअल सेशन में रीको के अधिकारियों द्वारा एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया गया जिसमें राजनिवेश पोर्टल के माध्यम से एमओयू के फॉर्म भरने एवं रीको की वेबसाइट पर भूमि आवंटन हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया का लाइव डेमो दिया गया और डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी के प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि इस नीति के तहत राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए एमओयू के साथ - साथ नए एमओयू भी राजनिवेश पोर्टल पर 31.12.2026 तक किए जा सकेंगे। सेशन में राजस्थान फाउंडेशन की आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा, ईडी रीको आकाश तोमर, एडवाइज़र इंफ्रा निमिषा गुप्ता ने प्रतिभागियों के द्वारा पूछे गए सवालों का विस्तार से जवाब दिया।

उल्लेखनीय है कि शिखर अग्रवाल द्वारा राजस्थान फाउंडेशन के सभी चैप्टर्स के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए संवाद किया गया था जिसमें प्रतिभागियों द्वारा राइजिंग राजस्थान के दौरान किए गए एमओयू में भूमि आवंटन के सम्बन्ध में जानकारी चाही गई थी। इसी के मध्यनजर रीको के द्वारा सभी निवेशकों को भूमि आवंटन की प्रक्रिया की जानकारी देने के लिए इस वर्चुअल सेशन का आयोजन किया गया। रीको द्वारा भूमि आवंटन हेतु ऑनलाइन आवेदन पोर्टल 1 मई से प्रारंभ कर दिया गया है, जिस पर 14 मई तक आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के अस्पताल प्रशासन द्वारा वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (मानद विश्वविद्यालय), जयपुर के अस्पताल प्रशासन द्वारा वर्ल्ड हैंड हाइजीन डे के अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके साथ आए परिजनों के लिए विशेष स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नर्सिंग अधिकारियों द्वारा हाथों की स्वच्छता के महत्व को बताते हुए सही तरीके से हाथ धोने के 7 चरणों (स्टेप्स) की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल के विभिन्न वार्डों में जाकर मरीजों को संक्रमण से बचाव हेतु नियमित रूप से हाथ धोने की आवश्यकता के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही अस्पताल में कार्यरत कर्मचारियों, मेस स्टाफ तथा अन्य विभागों के कार्मिकों को भी स्वच्छता एवं हाइजीन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। अस्पताल अधीक्षक प्रो. उदयराज सरोज ने बताया कि अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सफाई कर्मियों को समय-समय पर इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान की जाती है। साथ ही अस्पताल में भर्ती मरीजों को भी स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक किया जाता है। आवासीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. आभा सिंह ने बताया कि मरीजों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए अस्पताल में स्वच्छता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कहा कि अस्पताल प्रशासन द्वारा कर्मचारियों के साथ-साथ मरीजों एवं उनके परिजनों को भी समय-समय पर जागरूक किया जाता है, जिससे संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सके। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सक, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे तथा सभी ने स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया।

जागरूक खबरें

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के जन्मदिन पर आयोजित हुए विभिन्न कार्यक्रम

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शहर एवं ग्रामीण कांग्रेस के तत्वावधान में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जन्मदिन उत्साह और सेवा भावना के साथ मनाया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अवसर को जनसेवा से जोड़ते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्र सिंह जाड़ावत ने कहा कि गहलोत सरकार के दौरान चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए हैं, उनके कार्यकाल में चित्तौड़गढ़ को बड़ी बड़ी सौगातें मिली हैं जिससे विकास को नई दिशा मिली। सभी ने गहलोत के सुखद और दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की, कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व में शुरू की गई योजनाओं की जमकर सराहना की जो आज भी जनता के लिए मददगार साबित हो रही हैं। सेवा कार्य के क्रम में गांधीनगर स्थित गौशाला में गायों को हरा चारा एवं सब्जियां खिलाकर गौसेवा कर पक्षियों के लिए परिंडे बांधे गये। शहर एवं ग्रामीण की सभी अन्नपूर्णा रसोई में निःशुल्क भोजन व्यवस्था कर मिठाइयां बांटी गई। कार्यर्‍ म में कार्यकर्ताओं ने शीर्ष नेतृत्व के अलावा प्रदेश नेताओं एवं पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर प्रेम प्रकाश मूंदड़ा, अनिल सोनी, रणजीत लोट, रमेशनाथ योगी, महेंद्र शर्मा, दिलीप नेभनानी, बालमुकुंद मालीवाल, नगेंद्र सिंह राठौड़, गोविंद शर्मा, अभिमन्यु सिंह जाड़ावत, धर्मेंद्र मूंदड़ा, महेश काकानी, लादूलाल धाकड़, महावीर सिंह, विनोद लड्डा, गणेशलाल जाटोलिया, प्रमोद सिंह तंवर, राजेश सोनी, राकेश घारू, गजानंद शर्मा, देवीलाल धाकड़, कलिका जैन मीनाक्षी जैन, शंभुलाल प्रजापत, नवरतन जीनगर, यूसुफ भैया, खिजर खान, टिंकू धामानी, गोपाल सालवी, शैलेंद्र सिंह शक्तावत, राजकुमार गुर्जर, अभिषेक गर्ग सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधायक आक्या ने भरा स्व गणना प्रपत्र

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने सेंसस इंडिया सेल्फ एनुमरेशन सरकारी पोर्टल पर अपना व परिवार का जनगणना प्रपत्र स्वयं भरा। विधायक आक्या ने इस अवसर पर क्षेत्रवासियो के लिए संदेश प्रसारित करते हुए कहा कि जनगणना हमारे देश की नींव है। 1 से 15 मई तक स्वयं जनगणना प्रपत्र भर सकते है। इसके बाद 16 मई से 14 जून तक प्रगणक घर घर जाकर जानकारी जुटाएंगे। इस बार जनगणना प्रपत्र को स्वयं भरकर इस राष्ट्रीय कार्य में सरि्‍ य भागीदारी निभाएं। आपकी दी गई सही और पूर्ण जानकारी से सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलती है। यह प्रर्‍ि या सरल, सुरक्षित और गोपनीय है। आपका डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। आइए हम सब मिलकर जिम्मेदार नागरिक बने और अपने देश के विकास में योगदान देवें।

अजमेर दरगाह में 'शिव मंदिर' विवाद में किसका सुना जाएगा पक्ष? 12 याचिकाओं पर बहस के बाद कोर्ट का फैसला सुरक्षित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। अजमेर दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे पर जिला कोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे को लेकर दायर याचिका पर शनिवार (2 मई) को जिला न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान सभी पक्षों ने अपने-अपने दावे के समर्थन में कानूनी तर्क और दस्तावेज पेश किए। हिंदू सेना और महाराणा प्रताप सेना के पदाधिकारियों द्वारा याचिका दायर की गई है। सुनवाई के दौरान करीब 12 अलग-अलग याचिकाओं पर बहस हुई, जिनमें कई पक्षकारों ने खुद को इस मामले में शामिल करने की मांग की। मामले से जुड़ी 12 याचिकाओं पर बहस के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया है।

अब तय होगा- केस में पक्षकार कौन?

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बताया, "अदालत ने सभी नई अर्जियों पर सुनवाई की और सभी पक्षों को विस्तार से सुना। अब देखते हैं कौन पक्षकार बनता है और किसे खारिज कर दिया जाता है।" मामले में याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि कई याचिकाओं का विरोध किया गया है, क्योंकि उनमें पर्याप्त तथ्य और आधार नहीं हैं।

महाराणा प्रताप सेना ने भी पेश की याचिका

विष्णु गुप्ता के अधिवक्ता संदीप कुमार ने कहा कि 2 मई का दिन बहुत महत्वपूर्ण रहा और हमारे पक्ष के लिए खासा अहम रहा। अधिवक्ता के मुताबिक, एक याचिकाकर्ता फरार है और उसके खिलाफ नॉन-बिलेबल वारंट जारी है। एक याचिकाकर्ता ऐसे भी थे जो वादी पक्ष का सहयोग करना चाहते थे- जैसे महाराणा प्रताप सेना के राजवर्धन सिंह, लेकिन वे तथ्यों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत नहीं कर सके।

दरगाह की ओर से भी आवेदन पेश

दरगाह के दीवान और खादिमों की ओर से भी पक्षकार बनने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। अधिवक्ता सिद्धार्थ ने कहा, "मैंने दरगाह दीवान साहब की ओर से पक्षकार बनाए जाने के प्रार्थना पत्र की पैरवी की थी। सभी अर्ज़ियों को सुनकर कोर्ट ने अपना आदेश सुरक्षित रखा है। उम्मीद है कि आगामी तारीख पर सुनाया जाएगा।" अधिवक्ता ने बताया कि अदालत ने सभी आवेदनों पर विचार करने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रख लिया है और अगली सुनवाई में फैसला सुनाया जा सकता है। वरिष्ठ अधिवक्ता एपी सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप सेना की ओर से राजवर्धन सिंह परिहार मुख्य याचिकाकर्ता हैं। इस मामले में अन्य लोगों ने भी आवेदन लगाए थे।

मेवाड़ गौरव प्रश्नोत्तरी के लिए विद्यार्थियों में बढ़ा उत्साह

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। गौरव तीर्थ प्रन्यास द्वारा आगामी 24 मई को ऑनलाइन आयोजित मेवाड़ गौरव गाथा प्रश्नोत्तरी को लेकर जिलेभर के विद्यार्थियों और शिक्षण संस्थानों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास, वीरता और समृद्ध

संस्कृति से जोड़ना है। प्रश्नोत्तरी से संबंधित पोस्टर का विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विमोचन किया गया। साथ ही पंजीकरण कराने वाले विद्यार्थियों को मेवाड़ के इतिहास पर आधारित प्रश्नोत्तरी पुस्तिका निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनकी तैयारी को मजबूती मिल सके। विद्यार्थी 15 मई तक इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा पाएंगे। प्रन्यास की टीम ने आयोजन को सफल बनाने के लिए जिले के विभिन्न विद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से सक्रिय संपर्क किया। टीम सदस्यों ने स्कूली विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराते हुए प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस पहल से विद्यार्थियों में न केवल प्रतियोगिता के प्रति रुचि बढ़ी है, बल्कि इतिहास के प्रति जागरूकता भी विकसित हो रही है। प्रतियोगिता के लिए आकर्षक इनामी राशि निर्धारित की गई है। प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 51 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 21 हजार रुपये रखा गया है। इसके अतिरिक्त 50 प्रतिभागियों को 2100 रुपये के सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इन पुरस्कारों ने विद्यार्थियों के उत्साह को और बढ़ा दिया है। प्रन्यास के ट्रस्टी पुष्कर नाराणियां ने बताया कि यह प्रतियोगिता केवल ज्ञान की परीक्षा नहीं, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। उनका मानना है कि जब युवा अपने इतिहास और संस्कृति को समझेंगे, तभी उनमें आत्मगौरव की भावना सुदृढ़ होगी। श्रवण सिंह राव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने बताया कि प्रन्यास लगातार ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित कर रहा है, ताकि वे अपने गौरवशाली अतीत को जानकर भविष्य के प्रति अधिक सजग और जिम्मेदार बन सकें। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता को लेकर प्रन्यास की टीम तहसील स्तर तक सक्रिय हो गई है। सभी तहसीलों में विद्यार्थियों को निःशुल्क वितरित की जाने वाली प्रश्नोत्तरी पुस्तिकाएं पहुंचा दी गई हैं, जो पंजीकरण के साथ ही विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जाएंगी।

मकान सूचीकरण व गणना प्रशिक्षण आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

तारानगर। जिला जनगणना अधिकारी चूरू के प्रद्धत निर्देशों के क्रम में भारत की जनगणना का प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना राज्य सरकार की अधिसूचित अवधि के अनुसार राज्य में 14 जून तक आयोजित किया जाना है। जिसे नगर पालिका तारानगर के शहरी क्षेत्र में नियुक्त प्रगणक एवं सुपरवाइजर को प्रशिक्षण आज 29 अप्रैल को नगर पालिका हाल में फील्ड ट्रेनों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का प्रथम बेंच में 50 प्रगणक एवं सुपरवाइजर भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस मौके पर उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार द्वारा प्रशिक्षण का निरीक्षण किया एवं प्रशिक्षण में उपस्थित परिणाम को एवं सुपरवाइजरों को मकान सूचीकरण के बारे में बताया गया। इस अवसर पर जनगणना प्रभारी भाग चंद किरोड़ीवाल चार्ज अधिकारी अजय प्रताप सिंह और लखुसिंह हेमराज प्रजापत ट्रेनर केदारमल आंसेरी व हरदेवराम लखेरा व प्रगणक सुपरवाइजर्स उपस्थित रहे।

जयपुर-दिल्ली हाईवे पर अब सफर होगा तेज और आसान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बहरोड़। जयपुर और दिल्ली के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) इस व्यस्ततम हाईवे को अब 'मल्टी लेन फ्री फ्लो टोलिंग' (एमएलएफएफ) सिस्टम से लैस करने जा रहा है। इस नई व्यवस्था के लागू होने के बाद टोल प्लाजा पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वाहन बिना रुके ही टोल का भुगतान कर सकेंगे। नई तकनीक से लैस यह सिस्टम न सिर्फ यात्रा को तेज और आसान बनाएगा, बल्कि जाम, ईंधन खर्च और प्रदूषण को भी कम करने में बड़ा रोल निभाएगा।

इन पर होगा पायलट प्रोजेक्ट

इस परियोजना के तहत प्रमुख टोल प्लाजा दौलतपुरा, शाहजहांपुर व मनोहरपुर पर पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा। एक टोल प्लाजा पर करीब 300 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसके अलावा गुजरात और हरियाणा के कुछ टोल भी इस योजना में शामिल हैं।

नियम तोड़ा तो लगेगा झटका

अगर वाहन के फास्टैग में बैलेंस नहीं हुआ तो तुरंत ई-नोटिस जारी किया जाएगा। समय पर भुगतान नहीं करने पर वाहन को आरटीओ पोर्टल पर ब्लैकलिस्ट कर दिया जाएगा, जिससे रजिस्ट्रेशन ट्रांसफर और पीयूसी जैसे कार्य प्रभावित होंगे।

क्या है हाई-टेक एमएलएफएफ सिस्टम?

यह आधुनिक तकनीक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) पर आधारित है, जिसका इस्तेमाल दुबई, सिंगापुर और अमेरिका जैसे देशों में पहले से किया जा रहा है। राजस्थान में पहली बार इसे जयपुर-दिल्ली हाईवे पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर लागू किया जा रहा है।

कैसे काम करेगा नया सिस्टम?

- » टोल प्लाजा पर बैरियर नहीं होंगे, बल्कि सड़क के ऊपर 'गेंट्री' लगाए जाएंगे।
- » पहली गेंट्री - सेंसर, एएनपीआर कैमरे और एलआईडीआर तकनीक वाहन की नंबर प्लेट स्कैन कर उसकी श्रेणी तय करेंगे।
- » स्वचालित भुगतान - चलते वाहन से ही फास्टैग के जरिए टोल शुल्क कट जाएगा।
- » 200 किमी प्रति घंटा तक क्षमता : तेज रफ्तार वाहनों को भी सिस्टम आसानी से पहचान सकेगा।
- » दूसरी गेंट्री - भुगतान की पुष्टि करेगी।

सिस्टम के लिए हार्डवेयर इंस्टॉलेशन का कार्य जारी है और हाई-टेक कंट्रोल रूम तैयार किया जा रहा है। अक्टूबर तक ट्रायल शुरू होने और साल के अंत तक इसे पूरी तरह लागू करने की योजना है। अगले पांच वर्षों तक संचालन की जिम्मेदारी एक निजी टेलीकॉम कंपनी को सौंपी गई है।
महेंद्र चावला, क्षेत्रीय प्रबंधक, एनएचएआइ

अरावली की तलहटी में करें ध्यान, 3 करोड़ की लागत से बनेगा आध्यात्मिक केन्द्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अरावली की तलहटी में स्थित विवेकानंद पार्क में एक आधुनिक आध्यात्मिक, योग एवं ध्यान केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा बजट में घोषित इस परियोजना पर लगभग 3 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे यह स्थान शहरवासियों और पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बनेगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को विवेकानंद पार्क का निरीक्षण कर प्रस्तावित स्थल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया। देवनानी ने कहा कि अरावली पर्वतमाला की प्राकृतिक हरियाली और शांत वातावरण के बीच

विकसित होने वाला यह केन्द्र ध्यान, योग और आध्यात्मिक साधना के लिए अत्यंत उपयुक्त रहेगा। यहां आने वाले लोग प्राकृतिक सुकून के बीच मेडिटेशन कर सकेंगे, जिससे मानसिक शांति और स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। परियोजना के तहत पार्क में आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। इसमें एक भव्य हॉल, विशेष मेडिटेशन हॉल, योग हॉल, सेमीनार कक्ष, आकर्षक फव्वारे और व्यापक वृक्षारोपण शामिल हैं। यह केन्द्र योग शिविरों, ध्यान सत्रों, आध्यात्मिक कार्यशालाओं एवं सेमीनारों के आयोजन के लिए आदर्श स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल अजमेर शहर को योग, अध्यात्म और ध्यान गतिविधियों के लिए एक नई पहचान देगी। साथ ही यह स्थान स्थानीय नागरिकों के लिए स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। देवनानी ने यह भी कहा कि इस परियोजना से न केवल शहरवासियों को लाभ मिलेगा, बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भी यहां के शांत और सुरम्य वातावरण में आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह केन्द्र अजमेर के पर्यटन एवं सांस्कृतिक महत्व को भी नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

डॉ.चौधरी को राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी, अनुसंधान सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में मनोनयन

उदयपुर @ जागरूक जनता। भारतीय

कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक एवं डीएआरई सचिव द्वारा डॉ. जे.एल. चौधरी, पशुधन उत्पादन प्रबंधन, एमेरिटस प्रो., एमपीयूएटी, उदयपुर को आईसीएआर-महात्मा गांधी एकीकृत कृषि अनुसंधान संस्थान, पिपरकोठी, मोतिहारी, बिहार की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन 20 अप्रैल 2026 से 19 अप्रैल 2029 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा। डॉ. चौधरी का पशुधन उत्पादन प्रबंधन, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षण क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान रहा है। उन्होंने अपने दीर्घ अनुभव और विशेषज्ञता से कृषि एवं पशुपालन आधारित अनुसंधान को नई दिशा प्रदान की है।

बैंक मैनेजर का पद छोड़कर 6 मई को दीक्षा लेगी राजस्थान की CA कोमल जैन, सूरत में थी कार्यरत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले के रेवदर तहसील के भटाना गांव निवासी

चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) कोमल जैन 6 मई को संयम पथ अपनाकर दीक्षा ग्रहण करेंगी। एक बैंक में मैनेजर का पद छोड़ रहीं 31 वर्षीय कोमल, भटाना से दीक्षा लेने वाली आठवीं मुमुक्षा होंगी। वे यह दीक्षा दीक्षादानेश्वरी आचार्य गुणरसूरी के शिष्य आचार्य रविर सूरी और जयेशरसूरी की निश्रा में तपस्वीर साध्वी धर्मांगरेखाश्रीजी की शिष्या के रूप में लेंगी। इसी अवसर पर साध्वी धर्मांगरेखाश्रीजी की 100वीं ओली का पारणा भी भटाना में होगा और कोमल गुरुमाता प्रवर्तिनी पुण्यरेखाश्रीजी के समुदाय की 497वीं शिष्या बनेंगी। दीक्षा महोत्सव के निमित्त आचार्य रविरसूरी और आचार्य जयेशरसूरी सहित कई मुनि व साध्वियों का भटाना में भव्य सामैया हुआ। जैन संघ भटाना के प्रवक्ता महेन्द्र परमार ने बताया कि गुरुवंदना, शक्रस्तव अभिषेक और वस्त्र रंगने जैसे कार्यक्रम हुए। वर्षीदान का वरघोड़ा निकला और बुधवार को मंगल मुहूर्त में आचार्य भगवंत कोमल जैन को दीक्षा प्रदान करेंगे। दीक्षार्थी कोमल जैन ने कहा कि संसार एक सपना है, संयम का मार्ग सत्य का मार्ग है। सीए की पढ़ाई और बैंक की नौकरी के बाद भी जैन धर्म के प्रति गहरे लगाव ने उन्हें यह मार्ग चुनने के लिए प्रेरित किया, जिसमें माता-पिता की भी सहर्ष स्वीकृति मिली।

जैन धर्म के प्रति गहरा लगाव

जैन धर्म के प्रति उनका गहरा लगाव और उसे जानने-समझने का जुनून ही उन्हें दीक्षा ग्रहण करने तक ले आया। कोमल जैन ने बताया कि पालीतणा में उपधान करने के दौरान उन्हें वहां विराजित दादा आदिनाथ की असीम कृपा प्राप्त हुई, जिसके बाद उनका मन संयम की ओर मुड़ गया। उन्होंने संस्कृत ज्ञान, कर्मग्रन्थ, जीवीचार और नवतत्व का गहन अध्ययन किया और फिर संयम के मार्ग पर आगे बढ़ने का निश्चय किया।

विधायक डॉ अरुण चौधरी ने ग्राम रथ अभियान के तहत बुडीवाडा में जनसंवाद कर किया 50 लाख से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास

बालोतरा @ जागरूक जनता। पचपदरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत बुडीवाडा में आज ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत विधायक डॉ अरुण चौधरी द्वारा ग्रामीणों से आत्मीय संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान ग्रामवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। आमजन को इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि सरकार की योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें।

कार्यालय नगर परिषद, जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक / भूमि / 2026-27/443 दिनांक 04/05/2016

-: प्रसारित नोटिस उजरदारी :-

श्री हितेष माहेश्वरी पुत्र श्री अशोक कुमार जाति माहेश्वरी निवासी गांव हमीरा जिला जैसलमेर द्वारा एक आवेदन-पत्र पेश कर निवेदन किया है कि आवासीय भूखण्ड संख्या डी-44 साईज 9 गुणा 18 मीटर कुल 162 वर्गमीटर वाके गोवर्द्धनदास कल्ला आवासीय योजना, जैसलमेर जो की श्रीमती धनिशा देवी पुत्री श्री चनणा राम जाति सैन निवासी जैन मन्दिर के पास, पानी की होदी के पास, हाथीधोरा जिला बाड़मेर राजस्थान से जरिये रजिस्टर्ड विक्रय-पत्र से क्रय किया गया है। उक्त भूखण्ड का नामान्तरण श्री हितेष माहेश्वरी पुत्र श्री अशोक कुमार जाति माहेश्वरी निवासी गांव हमीरा जिला जैसलमेर द्वारा अपने नाम से दर्ज करवाना करवाना चाहते है ।

अतः इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / पार्टी को कोई उजर ऐतराज हो तो वह इस कार्यालय में 7 दिवस के भीतर पेश करे अन्यथा बाद म्याद कोई उजर ऐतराज मान्य नहीं होगा तथा नामान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । सूचित रहे

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जिला-सिरोही

E-mail : nagarpalkpindwara2019@gmail.com Telephone No.-02971-282040
क्रमांक-न.पा.पि./भूमि AHP/2026-2027/1365 दिनांकः 04/05/2026

-: आम सूचना :-

सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्री बालाजी बिल्डस्काई प्रा. लि., (श्री केतन कुमार पुत्र श्री मोडीरामजी) पंचायत समिति रोड, बस स्टेण्ड के पास, सिरोही रोड (राज.) - 307022 द्वारा नगर पालिका पिण्डवाडा क्षेत्र में अफोर्डेबल हाउसिंग पॉलिसी - 2009 के अन्तर्गत सहभागिता आवास योजना, निर्माणाधीन परियोजना खसरा नं.- 2349, 2350, 2350/3836 पिण्डवाडा का निर्माण कार्य आपकी फर्म मैसर्स बालाजी बिल्डस्काई प्रा.लि. द्वारा निर्माणाधीन सहभागिता आवास योजना के संबंध में गठित समिति की उपस्थिति में हुई चर्चा के अनुसार आपने अपनी सहमति से अपने लेटर हेड पर लिखित रूप से योजना के निर्माण कार्य की समयावधि इस प्रकार दी है कि दिनांक 31.12.2025 तक आप चार ब्लॉक सभी कैटेगरी (एम.आई.जी., एल.आई.जी. एवं ई. डब्लयु. एस.) की चार बिल्डिंग अर्थात 64 फ्लेट तीनो कैटेगरी के आप नगर पालिका पिण्डवाडा को सम्पूर्ण कार्य कर (With All Respect Work) STP सिवर लाईन WBM रोड सहित इलेक्ट्रीक पॉल एवं प्लम्बिंग कार्य सहित नगर पालिका पिण्डवाडा को सुपुर्द कर दूंगा, एवं शेष बचे योजना के बाकी फ्लेट दिनांक 30.04.2026 तक नगर पालिका पिण्डवाडा को सुपुर्द कर दिये जायेंगे 7 (With All Respect of Work of Project). परन्तु आप द्वारा अपने लेटर हेड पर लिखित में दिये गये उक्त कार्य नही किये ।

अतः आप सूचना प्रकाशन की दिनांक से 7 दिवस के भीतर-भीतर अपना Under Taking अनुसार कब्जा सुपर्द करना सुनिश्चित करें अन्यथा राज. न. पा. अधिनियम 2009 की धाराओं के अनुसार व आप द्वारा मिथ्या Under Taking देने, राजकीय व जनता के धन का दुरूपयोग करने का अभियोग सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत कर लिया जावेगा। जिसके लिये आप स्वयं व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होगें।

।। सूचित रहे।।

योगेश आचार्य
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, पिण्डवाड़ा

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समावेशी प्रगति के नये आयाम हो रहे स्थापित

राजस्थान में 19 लाख से अधिक मकानों का हुआ निर्माण

गरीब परिवारों के लिए सस्ते मकानों का खुल रहा द्वार

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अन्तर्गत केन्द्र ने 3 हजार 283 करोड़ रूपये का किया ऐतिहासिक बजट आवंटन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास' की भावना से प्रेरित समावेशी प्रगति की योजनाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में नये आयाम स्थापित किए हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) गांवों में बेघर और जरूरतमंद परिवारों का पक्के घर का सपना साकार करने में अहम भूमिका निभा रही है। राजस्थान में योजना के अंतर्गत अब तक 19 लाख से अधिक पक्के मकानों का निर्माण हो चुका है।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने प्रदेश को पीएमएवाई-जी के अन्तर्गत 24 लाख 97 हजार 121 पक्के मकानों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से 24 लाख 32 हजार 445 मकानों की स्वीकृति दी जा चुकी है और 19 लाख 46 हजार 884 मकानों का निर्माण भी हो चुका है।

योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार की ओर से 3 हजार 283 करोड़ रूपये से अधिक का ऐतिहासिक बजट आवंटन भी किया गया है। वहीं, गत 3 वित्तीय वर्षों में मकानों के निर्माण के लिए प्रदेश को 2 हजार 771 करोड़ रूपये की राशि जारी की गई है। जिसमें से 1 हजार 641 करोड़ रूपये की सर्वाधिक राशि वर्ष 2025-26 में ही जारी हुई। पीएमएवाई-जी योजना बेघर और जरूरतमंद ग्रामीणों को सस्ते आवास के लिए सहायता उपलब्ध करवाती है। यह योजना निर्धनता और सामाजिक-आर्थिक असमानता में लगातार कमी लाने के साथ ही, बुनियादी सेवाओं की पहुंच में निरन्तर सुधार कर रही है। योजना के अन्तर्गत वर्ष 2029 तक सभी के लिए घर का लक्ष्य हासिल करना है।

कोटपूतली-किशनगढ़ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर बनेंगे 9 एंट्री-एग्जिट पॉइंट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कोटपूतली से किशनगढ़ के बीच प्रस्तावित 181 किलोमीटर लंबे फोरलेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे का काम आगामी दो माह के भीतर शुरू होने की उम्मीद है। इसके लिए जयपुर जिले के 50 राजस्व गांवों में करीब 2200 हैक्टेयर भूमि एक्वायर की जाएगी। साथ ही करीब 6000 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य जुलाई माह से प्रस्तावित है। कोटपूतली से किशनगढ़ के बीच एक्सप्रेस-वे पर 9 एंट्री-एग्जिट पॉइंट बनाए जाएंगे। जोबनेर के समीप ड्योढी-हरनाथपुरा मोड़ पर प्रमुख पॉइंट बनाया जाएगा। यह एक्सप्रेस-वे अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां वाहनों की अधिकतम गति 120 किमी प्रति घंटा रहेगी, जिससे कोटपूतली से किशनगढ़ की दूरी महज 2 घंटे में पूरी हो सकेगी। सुरक्षा के मद्देनजर इस पर ट्रैक्टर, टू-व्हीलर और थ्री-व्हीलर का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट स्कैनिंग के जरिए दूरी के आधार पर टोल वसूला जाएगा। जोबनेर के ड्योढी-हरनाथपुरा मोड़ पर एंट्री पॉइंट बनने के बाद नावां, कुचामन और जोबनेर के वाहन चालकों को सीधा लाभ मिलेगा। किसानों की सुविधा के लिए हर 2 किलोमीटर पर अंडरपास और मुख्य मार्गों पर अत्याधुनिक फ्लाईओवर बनाए जाएंगे।

उदयपुर के दो आईवीएफ सेंटरों का पंजीकरण निलंबित

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार ने प्रदेश में संचालित आईवीएफ सेंटर्स में पारदर्शिता, वैधानिक अनुपालन एवं नैतिक मानकों को सुनिश्चित करने के लिए सख्त रुख अपनाया है। आईवीएफ सेंटर्स से अंडों के अवैध खरीद-बेचान की सूचनाओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने इन सेंटर्स की सघन जांच के लिए अभियान चलाते हुए नियमों की अवहेलना करने वाले सेंटर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की है। दो आईवीएफ सेंटर के संचालन में गंभीर अनियमितताएं पाई जाने पर उनका पंजीकरण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि विगत दिनों उदयपुर जिले के आईवीएफ सेंटर्स पर अनियमितताओं की सूचनाएं प्राप्त हुई थीं।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC

Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.

HOMOEOPATHY
B.H.M.S. (APPROVAL BY NCH)
YOGA & NATUROPATHY
BNYS (APP. BY UGC)
PGDYN (APP. BY UGC)
DNYS (APP. BY UGC)
CCYN (APP. BY UGC)
PARAMEDICAL
Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT)(APP. BY RPMC)
Bachelor of Radiation Technology (BRT)(APP. BY RPMC)
Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT) (APP. BY RPMC)
Master of Medical Laboratory Technology (MMLT) (APP. BY UGC)
Master of Radiation Technolog (MRT) (APP. BY UGC)
Master of Operation Theatre Technology (MOTT) (APP. BY UGC)
PHYSIOTHERAPY
BPT (APP. BY UGC)
MPT (APP. BY UGC)
(Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)
LIBRARY
D. LIBRARY (APP. BY UGC)
B. LIBRARY (APP. BY UGC)
M. LIBRARY (APP. BY UGC)
COMPUTER SC. & APPLICATIONS
DCA (APP. BY UGC)
BCA (APP. BY UGC)
PGDCA (APP. BY UGC)
MCA (APP. BY UGC)
B.Sc. (IT) (APP. BY UGC)
M. Sc. (IT)(APP. BY UGC)

ENGINEERING
Diploma (APP. BY UGC)
(Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
B. TECH. (APP. BY UGC)
CSE with Specialization:
(APP. BY UGC)
(Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science)
B.TECH (APP. BY UGC)
(Civil, Mechanical, Electrical, ECE. CSE, Mining, Fire & Safety)
M. TECH (APP. BY UGC)
I.T.I
Diesel (APP. BY NCVT)
Fitter (APP. BY NCVT)
Electrician (APP. BY NCVT)
Wireman (APP. BY NCVT)
ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES
B.A. (APP. BY UGC)
M.A. (APP. BY UGC)
MSW (APP. BY UGC)
MA (Yoga) (APP. BY UGC)
CLINICAL PSYCHOLOGY
B.Sc. Clinical Psychology
M.A. Clinical Psychology
PDCP Clinical Psychology
PGDRP (App. by RCI)
COMMERCE & MANAGEMENT
B. Com. (APP. BY UGC)
M. Com. (APP. BY UGC)
BBA (APP. BY UGC)
MBA (APP. BY UGC)
SCIENCE
B. Sc. (APP. BY UGC)
(PCM & CBZ)
M. Sc. (APP. BY UGC)
(Physics, Chemislotry, Mathematics, Zoogy, Botany, Bio-Technology, Microbiology)

EDUCATION
B.Ed. (APP. BY NCTE)
ITEP (APP. BY NCTE)
(B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed)
MA EDUCATION (APP. BY UGC)
PHYSICAL EDUCATION
D.P.Ed (APP. BY NCTE)
B.P. Ed. (APP. BY NCTE)
M.P. Ed. (APP. BY NCTE)
PGDSM (APP. BY UGC)
SPECIAL EDUCATION
B. Ed. (HI) (APP. BY RCI)
B. Ed. (ID) (APP. BY RCI)
D. Ed. (HI) (APP. BY RCI)
D. Ed. (ID) (APP. BY RCI)
ISTEP (FS) HI (APP. BY RCI)
PHARMACY
D. Pharm (APP. BY PCI)
B. Pharm (APP. BY PCI)
M. Pharm (APP. BY PCI)
LAW
B.A. LL.B. (APP. BY BCI)
LL.B. (APP. BY BCI)
LL.M. (2 Year) (APP. BY UGC)
AGRICULTURE Admission on Merit Based
* Scholarships As per the state Govt. Rules
Diploma (APP. BY UGC) (1 Yr & 3 Yrs Courses)
B.Sc. Hons.(Ag.) (APP. BY UGC)
B.Sc. Hons.(Ag.) L.E. (APP. BY UGC)
B.Sc. Hons. Agribusiness Management (APP. BY UGC)
B.Sc. Hons. Natural Farming (APP. BY UGC)
B.Sc. Hons. Organic Farming (APP. BY UGC)
B.Tech Agricultural Engineering (APP. BY UGC)
M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education (APP. BY UGC)
M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science (APP. BY UGC)
Ph.D All Above Courses

UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94,95,96
WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in
EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) - 307032

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

Beena Shiksha Samiti
Sec. School
Knowledge is Power
RBSE Pattern Affiliated From Raj. Govt.
English / Hindi Medium Nursery to Xth
Admission OPEN
NO ADMISSION FEE NO TRANSPORT FEE
10th Class Result 100%
Age 18 Months & Above
SALIENT FEATURES
• LEARNING ENVIRONMENT.
• EXPERIENCED FACULTY.
• PARENT-TEACHER PARTNERSHIP.
• SPACIOUS PLAYGROUND.
• 100% SUPPORT AND SECURITY OF THE CHILD.
• SPLASH POOL FOR KIDS.

Maruti Colony, Sheopur Road, Sanganer, Jaipur
Call us at : +91 89490 33309

गुड शॉट, दीदी आउट

भारतीय राजनीति के बाबू मोशाय

बंगाली भद्रलोक में 'बाबू मोशाय' शब्द सम्मान का प्रतीक है। मोदी और शाह की जोड़ी ने बंगाल फतह की असंभव चुनौती पारकर भारतीय राजनीति में बाबू मोशाय का दर्जा पा लिया है। इसमें मो यानी मोदी हैं और शा यानी शाह। इस जोड़ी ने देश का राजनीतिक नक्शा बदल दिया है। असम में बीजेपी की हैटट्रिक, पुडुचेरी में दूसरी बार NDA सरकार, पहले चुनावी समर में TVK का तमिलनाडु में विजय-पताका फहराना और केरल में कांग्रेस की अगुआई वाले UDF की वापसी...ये नतीजे दिखाते हैं कि जनता काम चाहती है।

हिल गई ममता की सत्ता, तमिलनाडु में DMK की पराजय, आखिरी गढ़ केरल में भी लेफ्ट का किला टूटा

BJP की महा-विजय

- असम में तीसरी बार BJP-राज, पुडुचेरी में NDA
- पहले ही चुनावी समर में TVK ने जमाया सिक्का
- अकेले केरल से ही कांग्रेस को राहत की खबर

प. बंगाल — कुल सीट 293* ■ बहुमत 147 — BJP 207 (+130)

	जीते	
TMC	80	(-136)
कांग्रेस	2	(+2)
लेफ्ट+	2	(+1)
अन्य	2	(+2)

कई नतीजे रुझानों के साथ है। अंतिम परिणाम बदल सकते हैं।

तमिलनाडु — कुल सीट 234 ■ बहुमत 118 — TVK 107 (+107

	जीते	
DMK+	74	(-85)
AIADMK+	52	(-23)
अन्य	1	(+1)

ऐक्टर विजय की अगुआई में TVK पहली बार तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उतरी है।

असम — कुल सीट 126 ■ बहुमत 64 — BJP+ 102 (+27)

	जीते	
कांग्रेस+	21	(-10)
AIUDF	2	(-14)
अन्य	1	(-5)

असम में पहली बार बीजेपी ने इतनी सीटें हासिल की है। कांग्रेस को करारी हार मिली है।

केरल — कुल सीट 140 ■ बहुमत 71 — UDF 102 (+61)

	जीते	
LDF	35	(-64)
BJP+	3	(+3)
अन्य	0	0

साल 1977 के बाद पहली बार है जब देश के किसी भी राज्य में लेफ्ट की सरकार नही होगी।

पुडुचेरी — कुल सीट 30 ■ बहुमत 16 — NDA 18 (+2)

	जीते	
कांग्रेस+	6	(-2)
TVK	2	(+2)
अन्य	4	(-2)

केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में NDA लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रहा है।

प. बंगाल में डबल सेंचुरी पार, पहली बार बनेगी सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: 2026 के अब तक सबसे बड़े चुनावों में बीजेपी बड़ी विजेता बनकर उभरी है। प. बंगाल में यह 200+ सीटों के साथ पहली बार सत्ता में आ रही है। वहीं, असम में लगातार तीसरी बार और भी ज्यादा मजबूती के साथ सरकार बनाने जा रही है। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में भी NDA गठबंधन ने सत्ता कायम रखी है। तमिलनाडु में पहले ही चुनाव में विजय की पार्टी TVK ने सिक्का जमाकर सबको चौंका दिया है। कांग्रेस को सिर्फ केरल में ही राहत मिलती नजर आ रही है, जहां पिनराई विजयन की अगुआई वाले लेफ्ट अलायंस LDF को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 1977 के बाद यह पहली बार होगा, जब लेफ्ट की देश में कोई सरकार नहीं होगी।

नतीजों का यह दिन कई रेकॉर्ड के नाम रहा। बंगाल में बीजेपी ने तृणमूल कांग्रेस को न सिर्फ चौथी बार सत्ता में आने से रोका, बल्कि 10 वर्षों में ही 3 से 200+ की पार्टी बनकर वहां की सियासत को बदल दिया। यहां वोटों का ध्रुवीकरण भी साफ दिखा। इस राज्य में बाबरी मस्जिद बनवा रहे हुमायूं कबीर दोनों सीटों से जीत गए। तृणमूल सुप्रीमो और सीएम ममता बनर्जी हार गईं। बंगाल में 294 में से 293 सीटों के ही नतीजे सोमवार को आए। फालता सीट पर 21 मई को वोटिंग होगी।

असम में पूरा चुनाव 'घुसपैठियों' को बाहर निकालने की बात और विवादित बयानों के इर्द-गिर्द घूमा। इस राज्य में बीजेपी की यह अब तक की सबसे बड़ी जीत है। कभी कांग्रेस के सबसे बड़े रणनीतिकार रहे सीएम हिमंता बिस्वा सरमा के इर्द-गिर्द ही बीजेपी का पूरा चुनाव प्रचार रहा। इस प्रदेश में कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई हार गए।

तमिलनाडु में DMK और AIADMK के बीच दो ध्रुवों में बंटी द्रविड़ सियासत बदल गई है। वहां Gen-Z ने राजनीति ऐसी बदली कि अभिनेता से नेता बने विजय की TVK सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहां सत्ताधारी डीएमके के प्रमुख और सीएम एम. के. स्टालिन ही चुनाव हार गए। केरल में UDF की वापसी हो रही है। यहां दो बार से लेफ्ट गठबंधन LDF सत्ता में था। उसे लगातार तीसरी बार सत्ता में आने से कांग्रेस की अगुआई वाले गठबंधन UDF ने रोका है। इस राज्य में बीजेपी ने 3 सीटें जीती हैं। यहां पहली बार 2016 में बीजेपी ने एक सीट जीती थी, लेकिन 2021 में हाथ खाली रहे थे। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में भी NDA लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रहा है। 2021 का चुनाव भी एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली AINRC और बीजेपी गठबंधन ने मिलकर जीता था।

असम में सत्ता की हैट-ट्रिक

जीत के नायक असम में BJP की जीत का बड़ा श्रेय मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा को जाता है, जिनके इर्द-गिर्द ही चुनाव प्रचार रहा।

जन-नायकम

तमिलनाडु में थलापति चमके

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

तमिलनाडु में सिनेमाई स्टार विजय और उनकी पार्टी TVK (तमिलगा वेत्री कड़गम) अपने पहले ही चुनाव में सियासी सुपर स्टार के रूप में निर्णायक ताकत बनकर उभरी। विजय के उभार ने पांच दशकों से इस राज्य में छाई द्रविड़ राजनीति को उलट-पुलट कर रख दिया। नतीजों से साफ है कि चाहे सत्ताधारी DMK गठबंधन हो या फिर AIADMK और BJP की अगुआई वाला गठबंधन, दोनों ही TVK के सामने कमजोर पड़ गए।

विजय ने पूरे प्रचार में DMK सरकार पर सीधे हमले किए और यह नैरेटिव बनाने में सफल रहे कि असली मुकाबला TVK और DMK के बीच है। उनकी बड़ी ताकत युवा मतदाता रहे। अपनी फिल्मों की तरह भ्रष्टाचार पर हमला बोला और रोजगार, सुधार और नई राजनीति जैसे मुद्दों को लगातार उठाया। साथ ही, महिलाओं को हर महीने आर्थिक मदद जैसे वादे ने जीत में अहम भूमिका निभाई।

विजय की पार्टी TVK सबसे बड़ी विजेता

नज़रिया

सबसे बड़ी जीत, लेकिन ज़िम्मेदारियां भी कम नहीं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

विधानसभा चुनावों, खासकर पश्चिम बंगाल के ये नतीजे ऐतिहासिक हैं। भारतीय जनता पार्टी के लिए यह जीत केवल सत्ता विस्तार नहीं, बल्कि बड़ी वैचारिक विजय है। अब अरब सागर से बंगाल की खाड़ी तक बीजेपी का राजनीतिक परचम लहरा रहा है। तमिलनाडु में विजय को मिली सफलता अप्रत्याशित रही, असम और केरल के परिणाम अनुमान के अनुरूप रहे। लेकिन बंगाल की जीत सबसे विशिष्ट है, क्योंकि इसे विपक्ष का सबसे मजबूत किला माना जाता था। कुछ ही साल पहले तक बंगाल में बीजेपी हाशिये पर थी। इस सफलता का आधार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनस्वीकार्यता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का माइक्रो चुनावी प्रबंधन रहा, जिसने जमीनी चुनौतियों को पहचानकर उन्हें रणनीतिक बढ़त में बदला।

सत्ता परिवर्तन के साथ ही अब बीजेपी के सामने सुशासन की गंभीर चुनौतियां हैं। महाराष्ट्र और गुजरात जैसे विकसित राज्यों की तुलना में पश्चिम बंगाल लंबे समय से आर्थिक सुस्ती और राजनीतिक हिंसा के दौर से गुजरता रहा है। इस राज्य का बुनियादी ढांचा पीछे और वर्क कल्चर सुस्त रह गए। वामपंथ के पतन के बाद तृणमूल कांग्रेस से जिस व्यापक सुधार की अपेक्षा थी, वह धरातल पर दिखा ही नहीं। कानून-व्यवस्था से लेकर राजनीतिक हिंसा तक, बंगाल बीते कुछ वर्षों से हर गलत वजह से चर्चा में रहा। अब केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने के कारण विकास की सीधी जिम्मेदारी बीजेपी पर होगी। बंगाल भी अगर विकास की मुख्यधारा में आ जाता है, तो पूरे पूर्वी भारत की तस्वीर बदलेगी और 2047 तक विकसित भारत की राह में यह बदलाव मील का बड़ा पत्थर साबित हो सकेगा। पार्टी को हिंसा पर लगाम लगानी होगी। घुसपैठ जैसे मुद्दों को सुलझाते समय सौहार्द बनाए रखने की परीक्षा से गुजरना होगा।

नतीजों ने विपक्ष को आईना भी दिखाया है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के बहुमत से थोड़ा पीछे रह जाने पर विपक्ष में ऊर्जा दिखी थी, लेकिन उन परिणामों से सबक लेते हुए बीजेपी ने हरियाणा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे राज्यों में अपनी मजबूती फिर से स्थापित कर दी थी। विपक्ष शायद उन मुद्दों पर केंद्रित है, जिनमें जनता की रुचि कम है, जिस वजह से वह विश्वास हासिल करने में नाकाम रहा। अगला राजनीतिक मुकाबला अब यूपी, उत्तराखंड, पंजाब में केंद्रित होगा। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने बीजेपी को जो झटका दिया था, वर्तमान हालात में उसका असर धुंधला पड़ चुका है। पंजाब में भी बीजेपी विकल्प के रूप में खुद को मजबूती से पेश करने में जुटी है।

भारत के इतिहास का यह कालजयी सत्य है कि जिसने बंगाल पर राजनीतिक और वैचारिक नियंत्रण प्राप्त किया, उसने लंबे समय तक देश की दिशा तय की है। बंगाल की जीत बड़े बदलाव के स्थायित्व का संकेत है। इसने साफ किया है कि मोदी की राजनीति और शाह की कूटनीति का जवाब विपक्ष के पास फिलहाल तो नहीं है।

यूथ पावर से सुरक्षा तक... क्या संदेश देते हैं ये नतीजे

विधानसभा चुनाव के नतीजो ने सियासी रुझानों से लेकर वोटर की प्राथमिकताओं तक, कई साफ संदेश दिए है। इन चुनावों में जहां कई रेकॉर्ड बने, वहीं राजनीति की दिशा बदलने वाले ट्रेंड भी सामने आए है। पश्चिम बंगाल में बीजेपी का पहली बार सत्ता तक पहुंचना इस लिहाज से भी अहम है कि महज एक दशक पहले यह पार्टी वहां 3 सीटों तक सीमित थी। असम में सरकार की हैट-ट्रिक बनाने जा रही बीजेपी की जीत भी असाधारण है।

1 युवा खासकर Gen-Z बने गेमचेंजर

युवाओं- खासकर जेनरेशन Z ने तमिलनाडु में TVK की जीत में निर्णायक भूमिका निभाई है। तमिलनाडु में करीब 21% वोटर 18 से 29 आयु वर्ग के है। इनमें भी 14.5 लाख ने पहली बार वोट डाला। पश्चिम बंगाल में भी युवाओं ने बदलाव के पक्ष में वोट दिया है। बेहतर भविष्य की चाह और रोजगार की उम्मीद इस वर्ग के वोटिंग पैटर्न में साफ दिखा है।

2 लोक-लुभावन योजनाएं मुख्यधारा में आईं

महिलाओं के खाते में सीधे पैसे ट्रांसफर करने जैसी लोक-लुभावन योजनाएं लगभग हर दल के अजेंडे का हिस्सा है। बंगाल में TMC ने 'लक्ष्मी भंडार' योजना से महिलाओं के समर्थन का भरोसा जताया तो BJP ने इसकी राशि बढ़ाने का वादा किया। बीते कुछ चुनावों से साफ हो गया है कि एकबार ऐसी योजनाएं शुरू हो तो फिर इन्हें कोई बंद नही कर सकता है।

3 बदलाव वहीं, जहां विकल्प मज़बूत

सिर्फ सत्ता विरोधी लहर काफी नही है। मतदाता को भरोसेमंद और मजबूत विकल्प चाहिए। बंगाल में बीजेपी ने खुद को मजबूत विकल्प के रूप में खड़ा किया। तमिलनाडु में DMK से नाराजगी के बीच TVK नई उम्मीद बनकर उभरी। असम में कांग्रेस सत्ता विरोधी लहर को मुद्दा जरूर बनाती रही है, लेकिन खुद को ठोस विकल्प के रूप में पेश नही कर पाई है।

4 राष्ट्रवाद का असर बरकरार है

प. बंगाल और असम- दोनों राज्यो मे बीजेपी ने राष्ट्रवाद और सुरक्षा के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। अवैध घुसपैठ और बदलती डेमोग्राफी को देश की सुरक्षा से जोड़कर पेश किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इन राज्यों में जाकर उन्हें घुसपैठ-मुक्त करने का वादा किया। दोनों राज्यों में बीजेपी को मिले अपार समर्थन ने दिखाया कि इनका असर भी हुआ।

राजस्थान विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष ने किया पांच राज्यों के स्पीकर्स के साथ हर्बल वाटिका एवं नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन

38 प्रकार के औषधीय प्रजातियों के पौधों से महकेगी विस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधानसभा परिसर में मंगलवार को पर्यावरण, आयुर्वेद एवं भारतीय ज्योतिष विज्ञान को समर्पित दो अनूठी वाटिकाओं– "हर्बल वाटिका" एवं "नक्षत्र वाटिका" का विधिवत उद्घाटन सम्पन्न हुआ। यह उद्घाटन राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने देश के पांच राज्यों के विधान सभा अध्यक्षगण के साथ किया। इस गरिमामय अवसर पर मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर, उत्तरप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, ओडिशा विधानसभा की अध्यक्ष श्रीमती सुरमा पाढ़ी एवं सिक्किम विधानसभा के अध्यक्ष श्री मिंगमा नोर्बू शेरपा की विशिष्ट उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल एवं राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम राजस्थान विधानसभा में लोकसभा द्वारा गठित समिति के पीठासीन अधिकारियों की बैठक के अवसर पर सम्पन्न हुआ।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधान सभा की स्थापना का यह वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। इस महोत्सव के तहत ही यह दो वाटिकाएं निर्मित की गई है। पांचों राज्यों के स्पीकर्स ने राजस्थान विधान सभा के भवन, सदन व म्यूजियम को शानदार बताते हुए कहा कि म्यूजियम ज्ञानवर्धक है। हर्बल वाटिका औषधीय ज्ञान का जीवंत केन्द्र- विधानसभा परिसर के उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थापित हर्बल वाटिका का उद्देश्य स्वास्थ्य एवं आयुर्वेद के महत्व को रेखांकित करना तथा औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। इस वाटिका में वैज्ञानिक पद्धति से निर्मित 8×13 फीट आकार की कुल 38 क्यारियाँ बनाई गई हैं, जिनमें 38 प्रकार की औषधीय प्रजातियों के 20 से 25 पौधे प्रति क्यारी रोपित किए गए हैं। वाटिका में इलायची, पोदीना, लेमनग्रास, घृतकुमारी (एलोवेरा), सदाबहार, तुलसी, सिट्रोनेला, पत्थर चट्टा, हड़जोड़, सफेद मूसली, इन्सुलिन, पीपली, समुद्र बेल, ब्राह्मी, लाजवंती एवं अपराजिता सहित अनेक महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ रोपित की गई हैं। यह वाटिका औषधीय ज्ञान के प्रसार के साथ-साथ प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को भी प्रोत्साहित करती है। नक्षत्र वाटिका प्रकृति और खगोल विज्ञान का अद्भुत संगम- विधानसभा परिसर के दक्षिणी क्षेत्र में स्थापित नक्षत्र वाटिका भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद की समृद्ध परम्परा को समर्पित एक अनूठी संकल्पना है। भारतीय ज्योतिष एवं आयुर्वेद के अनुसार आकाशमण्डल में 27 नक्षत्र माने गए हैं, जिनका संबंध विशिष्ट वृक्षों से है। इस वाटिका में अश्विनी – कुचला, भरणी – आँवला, कृतिका – गूलर, रोहिणी – जामुन, मृगसिर – खैर, आर्द्रा – शीशम, पुनर्वसु – बाँस, पुष्य – पीपल, आश्लेषा – नागकेसर, मघा – बरगद, पूर्व फाल्गुनी – पलाश, उत्तर फाल्गुनी – पाकड़, हस्त –जामलौ, चित्रा –बेल, स्वाती – अर्जुन, विशाखा–कटाई/शमल, अनुराधा – मौलश्री, ज्येष्ठा–चीड़/सेमल, मूल–साल, पूर्वाषाढ़ा– अशोक, उत्तराषाढ़ा–कटहल, श्रवण– शमी/आक, धनिष्ठा– मदार, शतभिषा – कदंब, पूर्व भाद्रपद – आम, उत्तर भाद्रपद –नीम तथा रेवती –महुआ के प्रतिनिधि वृक्ष रोपित किए गए हैं। यह वाटिका प्रकृति और खगोल विज्ञान को जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है।

सभागार एवं डिजिटल म्यूजियम का अवलोकन- उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात् समस्त अतिथिगणों ने राजस्थान विधानसभा के सभागार का अवलोकन किया तथा विधानसभा की गरिमामयी संसदीय परम्पराओं एवं ऐतिहासिक विरासत से परिचय प्राप्त किया। इसके साथ ही अतिथिगणों ने विधानसभा परिसर में स्थापित अत्याधुनिक डिजिटल म्यूजियम का भी अवलोकन किया। यह डिजिटल म्यूजियम राजस्थान की विधायी यात्रा, संसदीय इतिहास एवं लोकतांत्रिक परम्पराओं को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। अतिथिगणों ने इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणाप्रद बताया। विज़िटर्स बुक में अंकित हुई सराहना- उद्घाटन के अवसर पर आये पांच राज्यों में विधान सभा अध्यक्षगण ने विज़िटर्स बुक में अपने अनुभव एवं प्रशंसनीय सुझाव अंकित किए। अतिथियों ने हर्बल वाटिका, नक्षत्र वाटिका एवं डिजिटल म्यूजियम को राजस्थान विधानसभा की विशिष्ट एवं प्रेरणाप्रद उपलब्धि निरूपित किया तथा इसे भारतीय ज्ञान परम्परा, पर्यावरण संरक्षण एवं लोकतांत्रिक विरासत के संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय योगदान बताया।

माधव विवि में निदेशक डॉ. देसाई का हर्षोल्लास से मनाया जन्मदिन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

आबूरोड। माधव विश्वविद्यालय परिसर में आज होम्योपैथिक विभाग एवं टीवीटीसीसी की निदेशक तथा टीपीसी की मुख्य समन्वयक डॉ. भारती देसाई का जन्मदिन समारोह बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं उज्ज्वल जीवन की कामना की।

समारोह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में स्नेहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। डॉ. भारती देसाई ने सभी के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया, वहीं विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया गया। उपस्थित वक्ताओं ने उनके नेतृत्व, कार्यशैली एवं शिक्षा तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में दिए जा रहे योगदान की सराहना की।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. राजकुमार ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. भारती देसाई ने विश्वविद्यालय में शिक्षा, प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित एवं कर्मठ व्यक्तित्व होते हैं, और डॉ. भारती देसाई उन्हीं प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में से एक हैं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर सफलता की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन विश्वविद्यालय परिवार के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बना रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के चांसलर हिम्मत सिंह देवल, वाइस प्रेसीडेंट डॉ. सुशील भार्गव, रजिस्ट्रार डॉ. भावेश कुमावत, होम्योपैथिक विभाग के अधिष्ठाता डॉ. भानु प्रताप सिंह, टीवीटीसीसी टीम प्रमुख महेंद्र सिंह गुर्जर, टीवीटीसीसी के अध्यक्ष शुभांशु व वर्ली पांचाल, महासचिव धवलसिंह जाला, कार्यक्रम समन्वयक विश्वास वर्सानी, सजावट प्रमुख महक चौहान, वित्त प्रमुख साक्षी देसाई, संचालन प्रमुख भगवती पटेल, तकनीकी प्रमुख कृष ठक्कर, आतिथ्य प्रमुख शगुफ्ता, प्रायोजन एवं जनसंपर्क प्रमुख वरुण पुरोहित व अनुशासन एवं स्वयंसेवक प्रमुख विक्रम गोयल तथा टीपीसी समिति के सदस्य श्रवण (एम.टेक द्वितीय वर्ष), सूरज (बीबीए तृतीय वर्ष), रेहान (बीसीए प्रथम वर्ष), फिरदौस (बीबीए द्वितीय वर्ष), जयश्री (बीबीए तृतीय वर्ष), योगिता खंडेलवाल (बीबीए द्वितीय वर्ष), स्वेता (बीएचएमएस द्वितीय वर्ष), आयान (बीसीए प्रथम वर्ष), प्राची, किरण (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) व अश्विन (बीएचएमएस प्रथम वर्ष) सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आयुर्वेद विश्वविद्यालय में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा संचालित शोध परियोजना का निरीक्षण

अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता, वैज्ञानिक सटीकता तथा पारदर्शिता बनाए रखें-शुक्ल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय में सीसीआरएएस नई दिल्ली द्वारा संचालित शोध परियोजना का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण स्मार्ट 2.0 योजना के अंतर्गत चल रही बहु-केंद्रीय अनुसंधान परियोजना "लैक्टेशन इंसफिशिएंसी के प्रबंधन में आयुष एस.एस. ग्रेन्यूल्स की प्रभावशीलता एवं सुरक्षा" के संदर्भ में आयोजित किया गया।

निरीक्षण दल में सीसीआरएएस, नई दिल्ली से वरिष्ठ सलाहकार डॉ. बी.सी.एस. राव तथा एम.एस.आर.ए.आर.आई., जयपुर के शोध अधिकारी (आयुर्वेद) डॉ. किशोर गवली शामिल रहे। टीम ने परियोजना की प्रगति, अनुसंधान की कार्यप्रणाली, डेटा संग्रहण तथा क्लिनिकल ट्रायल से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का विस्तृत मूल्यांकन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर (वैद्य) गोविंद सहाय शुक्ल ने भी परियोजना की समीक्षा करते हुए अनुसंधान कार्यों की गुणवत्ता, वैज्ञानिक सटीकता तथा पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश प्रदान किए। परियोजना की प्रमुख अन्वेषक डॉ. रश्मि शर्मा ने निरीक्षण दल के समक्ष परियोजना की वर्तमान स्थिति, अध्ययन की प्रगति तथा डेटा विश्लेषण से संबंधित महत्त्वपूर्ण पहलुओं का प्रस्तुतीकरण किया। इसके अतिरिक्त सह-प्रमुख अन्वेषक डॉ. सीमा शर्मा एवं वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता डॉ. कंचन चोयल ने परियोजना के विभिन्न संचालनात्मक एवं तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। निरीक्षण के दौरान परियोजना टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई तथा भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने हेतु आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। अंत में प्राचार्य प्रो. चंदन सिंह ने बताया कि यह परियोजना आयुर्वेदिक अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रभावी समाधान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का उदयपुर दौराः संभाग स्तरीय अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा, सड़क निर्माण कार्य, पर्यटन और आंगनबाड़ी योजनाओं पर दिए अहम निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी मंगलवार को एक दिवसीय दौरे के तहत उदयपुर जिले के प्रवास पर रही। इस दौरान उन्होंने मादड़ी इंडस्ट्रियल एरिया स्थित उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (यूसीसीआई) मीटिंग हॉल में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पर्यटन विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संभाग स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में डिप्टी सीएम द्वारा विभिन्न योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग में सार्वजनिक निर्माण विभाग की परियोजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक सड़कों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक में अटल प्रगति पथ, मिसिंग लिंक, नॉन-पेचेबल सड़कों सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। साथ ही विभिन्न पीडब्ल्यूडी सर्कल और राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों में चल रहे कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक में उपस्थित विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रों की प्रमुख सड़कों की स्थिति, प्रगति और क्षतिग्रस्त मार्गों को लेकर ध्यानाकर्षण कराया। समेकित बाल विकास सेवाओं (आईसीडीएस) के अंतर्गत बजट घोषणाओं, पोषण ट्रैकर, एफआरएस, आंगनबाड़ी केंद्रों के नवीनीकरण तथा नए केंद्रों की स्थापना की प्रगति पर चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के विकास और न्यूट्री किट वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण सुविधाएं मिल सकें। पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान महाराणा प्रताप टूरिज्म सर्किट सहित प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों की प्रगति का आकलन किया गया।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना" पर राजस्थान चैम्बर के सदस्यों के साथ EPFO की महत्वपूर्ण बैठक हुई आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आज चैंबर भवन, जयपुर में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन, मुख्यालय, नई दिल्ली के अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त एवं आरपीएफसी-I क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के साथ एक महत्वपूर्ण संवादात्मक बैठक आयोजित की गई।

यह बैठक प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के सफल क्रियान्वयन के संदर्भ में आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य नियोक्ता संगठनों एवं उद्योग प्रतिनिधियों से योजना के संबंध में सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त करना था। बैठक में EPFO के पी. बी. वर्मा अतिरिक्त सीपीएफसी, प्रधान कार्यालय दिल्ली एवं परितोष कुमार आरपीएफसी-I क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर उपस्थित रहे। इस अवसर पर राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स के विभिन्न क्षेत्रों–एमएसएमई, विनिर्माण, व्यापार एवं सेवा क्षेत्र–से जुड़े सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर डॉ. के.एल. जैन, अध्यक्ष, राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने सत्र को संबोधित करते हुए कर्मचारी भविष्य निधि के महत्व पर प्रकाश डाला तथा नियोक्ताओं एवं कर्मचारियों के लिए इसके दीर्घकालिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के अंतर्गत उपलब्ध प्रोत्साहनों एवं लाभों के बारे में विस्तार से अवगत कराया और अधिक से अधिक नियोक्ताओं को इस योजना से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होने कहा की यह योजना संगठित क्षेत्र में नए रोजगार सृजन को बढ़ावा देने हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है इस योजना द्वारा नए कर्मचारियों के पंजीकरण पर नियोक्ताओं को प्रोत्साहन एवं वित्तीय लाभ प्रदान किए जाते हैं। बैठक के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों द्वारा योजना के सरलीकरण, व्यापक जागरूकता, लाभों के समयबद्ध वितरण तथा एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष प्रोत्साहनों की आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान, कौशल विकास योजनाओं के साथ समन्वय तथा नियोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु हेल्पडेस्क स्थापित करने जैसे सुझाव भी दिए गए। अतिरिक्त केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने उद्योग जगत से प्राप्त इन सुझावों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि इन पर गंभीरता से विचार कर योजना को और अधिक प्रभावी एवं उपयोगी बनाया जाएगा। RCCI ने रोजगार सृजन एवं कार्यबल के औपचारिकरण की दिशा में सरकार के प्रयासों का समर्थन करते हुए EPFO के साथ पूर्ण सहयोग का विश्वास व्यक्त किया। सत्र का समापन चैम्बर के मानद महासचिव बृज बिहारी शर्मा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी हितधारकों ने एक सशक्त एवं समावेशी रोजगार व्यवस्था के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर चैम्बर के कार्यकारी अध्यक्ष डी. एस. भण्डारी, डॉ. आर. एस. जैमिनी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अरुण अग्रवाल, उपाध्यक्ष ज्ञान प्रकाश, मानद महासचिव आर. पी. बटवाडा, आनंद महरवाल, बृज बिहारी शर्मा, विजय गोयल, मानद सचिव श्री सुधीर भंसाली, यंग वीमेन इंटरप्रेन्योर विंग की चेयरपर्सन चांदनी जग्गा, सोनिका महरवाल, चैम्बर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री योगेश नारायण माथुर, सचिव दिनेश कानूनगो, अतिरिक्त सचिव कन्हैया लाल जांगिड़ संयुक्त सचिव अमित पारीक सहित उद्योगपति, युवा उद्यमी, स्टार्टअप प्रतिनिधि एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की बड़ी संख्या में भागीदारी की एवं लाभ प्राप्त किया।